राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 31 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-192 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वोटर अधिकार यात्रा में राहुल के सामने मोदी के नारे

आरा में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने दिखाए काले झंडे, फ्लाइंग किस देते हुए निकले राहुल गांधी

आरा (एजेंसी)। बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का शनिवार को 14वां दिन था। भोजपुर में यात्रा के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए। नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। राहुल गांधी विरोध कर रहे लोगों को फ्लाइंग किस देते हुए आगे निकल गए। शनिवार को आरा के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में जनसभा हुई। जहां तेजस्वी यादव ने कहा, बच्चे जैसे कागज की नाव और प्लेन बनाकर उड़ाते हैं, नीतिश कुमार के वादे वैसे ही होते हैं। आप पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई वाली सरकार बनाइए। ओरिजिनल सीएम चाहिए या डुप्लीकेट। फैसला आपको करना है। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, बिहार के लोगों को पता होगा, पहले भी बीजेपी का रथ यहां रोका गया है। इस बार भी यहां की जनता इनका रथ रोकेगी। ये पहले वोट का अधिकार छीनेंगे, फिर राशन का अधिकार छीनेंगे। फिर नौकरी का अधिकार छीनेंगे। ये आपको सड़क पर लाना चाहते हैं। अन्याय की लड़ाई अभी भी जारी है। वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में जनसभा के दौरान महागठबंधन ने शक्ति प्रदर्शन भी किया। मंच पर राहुल-तेजस्वी, अखिलेश यादव, दीपांकर भट्टाचार्य, मुकेश सहनी एक साथ

नजर आए। यहां से राहुल गांधी और तेजस्वी पटना के लिए रवाना हो गए। कल यात्रा में ब्रेक होगा। 1 सितंबर को पटना में वोटर अधिकार यात्रा समाप्त होगी। भोजपुर में यात्रा के दौरान राहुल गांधी को विरोध का सामना करना पड़ा। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उन्हें काले झंडे दिखाए और नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए। राहुल ने कहा,बिहार से पहले भी क्रांति की शुरुआत हुई है। वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत यहां से हुई है। ये चोरी सिर्फ आपके वोट की नहीं है. ये चोरी आपके अधिकार और भविष्य की है। आपको पहले रास्ते दिए जाते थे, पब्लिक सेक्टर था। सारे रास्ते आपके हाथ से छीन लिए गए। नरेंद्र मोदी, आरएसएस-बीजेपी, अडाणी-अंबानी की सरकार चलाते हैं। इसलिए वो चाहते हैं कि गरीबों की आवाज इस देश नहीं सुनी जाए। उसे दबाई जाए। पूरे देश में गरीबों की आवाज गूंजेगी। सुनाई देगी, हम बिहार में एक वोट चोरी नहीं होने देंगे। इन्होंने महाराष्ट्र, हरियाणा और लोकसभा चुनाव में वोट चोरी की, लेकिन हम बिहार में वोट चोरी नहीं करने देंगे। अखिलेश यादव बोले- जो लोग हमें डरा रहे हैं, आज सबसे ज्यादा ट्रंप से डर रहे हैं। टैरिफ लगाकर लोगों को परेशान कर दिया है। अमेरिका ने बीजेपी के मुंह पर भी टैरिफ लगा दिया है। आप लोग इस बार तेजस्वी का साथ दीजिए। इस यात्रा से वोटर जागरुक हुआ है। बीजेपी को बिहार से बाहर करने का काम करेगी, इसका मुझे विश्वास है। अखिलेश यादव बोले, बिहार का चुनाव महत्वपूर्ण है। पूरे देश की नजर बिहार पर है।

फोन करके 'नोबेल' पुरस्कार मांगने लगे थे डोनाल्ड ट्रंप

सुनते ही भड़क गए थे पीएम मोदी,रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और भारत के बीच संबंधों में खटास आ गई है। टैरिफ तो एक वजह है ही साथ ही, दूसरी वजह ट्रंप का बार-बार भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर

करवाने का दावा करना भी माना जा रहा। 17 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच फोन कॉल हुई थी, जिसमें ट्रंप चाहते थे कि मोदी उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करें। इस पर पीएम मोदी भड़क गए थे। दोनों नेताओं के बीच 35 मिनट तक फोन पर बात हुई थी। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने खुलासा किया है कि 17 जून को ट्रंप ने मोदी से फोन कॉल पर फिर भारत-पाकिस्तान सीजफायर का मुद्दा उठाया और कहा कि उन्हें सैन्य तनाव खत्म करवाने पर कितना गर्व है। उन्होंने पीएम मोदी से कहा कि पाकिस्तान उन्हें (ट्रंप) नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने वाला है। इसका मतलब यह था कि पीएम मोदी भी ट्रंप को नॉमिनेट करें। भारतीय नेता (पीएम मोदी) भड़क गए और दो टूक कहा कि भारत-पाक सीजफायर में ट्रंप का कोई लेना-देना नहीं है। यह भारत-पाक के बीच ही तय हुआ था। पीएम मोदी की टिप्पणियों को ट्रंप ने नजरअंदाज कर दिया, लेकिन सीजफायर पर असहमति और मोदी द्वारा नोबेल पुरस्कार पर बात करने से इनकार करने की वजह से दोनों नेताओं के बीच संबंध में खटास आ गई। जून में हुई इस फोन कॉल के कुछ समय बाद टैरिफ का फैसला किया।

ऐतिहासिक यात्रा पर ड्रैगन के देश पहुंचे पीएम मोदी

एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत,एससीओ समिट में लेंगे हिस्सा

तियानजिन (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐतिहासिक यात्रा पर चीन पहुंच चुके हैं। वे 31 अगस्त को चीन के तियानजिन शहर में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन के 25वें शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। यह यात्रा 2020 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद उनकी पहली चीन यात्रा है और इसे भारत-चीन संबंधों में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह दौरा 1 सितंबर तक चलेगा और इसमें क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग, और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने

जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री मोदी सात साल बाद चीन यात्रा पर पहुंचे हैं। 2018 में उन्होंने उनकी आखिरी बार चीन की यात्रा की थी। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और चीन, 2020 के गलवान घाटी में हुए सैन्य टकराव के बाद तनाव कम करने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई मुलाकात ने दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार की नींव रखी थी। विदेश मंत्रालय ने बताया कि सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे जिनमें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात भी होगी। एससीओ की स्थापना 2001 में हुई थी और इसके 10 सदस्य देश हैं, जिनमें भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं। इस साल का शिखर सम्मेलन तियानजिन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित हो रहा है, जिसे अब तक का सबसे बड़ा एससीओ सम्मेलन माना जा रहा है। इसमें 20 से अधिक देशों के नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का मुख्य एजेंडा क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी सहयोग, और आर्थिक साझेदारी को बढ़ावा देना है। भारत ने विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद पर कड़ा रुख रखता है।

धनखड़ ने राजस्थान के बतौर पूर्व कांग्रेस विधायक मांगी पेंशन

- 40 दिन मौन रहे पूर्व उपराष्ट्रपति सक्रिय हुए,अब 3 पेंशन मिलेगी

जयपुर (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब पूर्व विधायक के नाते मिलने वाली पेंशन के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में फिर से आवेदन किया है। धनखड़ 1993 से 1998 तक किशनगढ़ सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। पूर्व विधायक के तौर पर उन्हें जुलाई

2019 तक पेंशन मिल रही थी। जुलाई 2019 में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बनने के बाद पेंशन बंद हो गई थी। अब उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद उन्होंने पूर्व विधायक के नाते फिर से आवेदन किया है। धनखड़ ने 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था। विधानसभा सचिवालय ने धनखड़ की पेंशन आवेदन पर प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्हें उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा मंजूर होने की तारीख से पूर्व विधायक की पेंशन मिलनी शुरू होगी। विधायक का कार्यकाल पूरा होते ही पूर्व विधायक की पेंशन चालू हो जाती है।

- **पूर्व विधायक को 35 हजार रुपए मिलती है पेंशन**- पूर्व विधायक को 35 हजार रुपए महीना पेंशन मिलती है। पेंशन हर टर्म के हिसाब से बढ़ती रहती है। पांच साल के बाद जो जितनी बार विधायक रहा है, उसे 5 साल बाद के हर टर्म में प्रतिमाह 1600 रुपए जोड़ते हुए अतिरिक्त पेंशन मिलती है। एक बार के विधायक को 35 हजार, दो बार के विधायक को 42 हजार, तीन बार के विधायक को 50 हजार रुपए की पेंशन मिलती है। अगर पूर्व विधायक ने 70 साल की उम्र पार की ली हो तो पेंशन में 20 प्रतिशत इजाफा होता है। धनखड़ एक बार विधायक रहे हैं। उनकी उम्र 75 साल है। ऐसे में उन्हें 20 प्रतिशत ज्यादा पेंशन मिलेगी।

डिफेंस सेक्टर में भारत के लिए आत्मनिर्भर होना आवश्यक

राजनाथ सिंह बोले-कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि डिफेंस सेक्टर में भारत के लिए आत्मनिर्भर होना बेहद आवश्यक है और इसके लिए देश किसी विदेशी आपूर्ति पर निर्भर नहीं रह सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय आयात पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं है। उन्होंने कहा, कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, केवल हित स्थायी होते हैं।

वैश्विक स्तर पर अभी व्यापार के लिए युद्ध जैसी स्थिति है। उन्होंने कहा कि विकसित देश तेजी से संरक्षणवादी हो रहे हैं, लेकिन भारत अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार हवाई सुरक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र के तहत अगले 10 वर्षों में देशभर के सभी अहम स्थलों को पूरी तरह हवाई सुरक्षा मुहैया कराने की योजना बना रही है। सिंह ने कहा कि एक ऐसी सुरक्षा प्रणाली तैयार की जा रही है, जो दुश्मन के किसी भी हमले से बचाव करने में सक्षम हो।

'ह्यूमन जीपीएस' था बागू खान, एनकाउंटर में ढेर

- जम्मू-कश्मीर में 100 से अधिक घुसपैठ में था हाथ

श्रीनगर (एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में हुई मुठभेड़ के दौरान लंबे समय से वांटेड आतंकी बागू खान उर्फ समंदर चाचा को मार गिराया। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 1995 से सक्रिय बागू खान को आतंकी गिरोहों में ह्यूमन जीपीएस कहा जाता था। रक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, बागू खान पिछले तीन दशकों में 100 से अधिक घुसपैठ प्रयासों को अंजाम देने में शामिल रहा। गुरेज सेक्टर की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और गुप्त रास्तों की उसकी गहरी जानकारी के चलते कई प्रयास सफल रहे।

पीएम के खिलाफ विवादित बयान, बीजेपी का आक्रोश मार्च

- सहरसा में मंत्री जीवेश बोले- सोनिया और राहुल गांधी देश की माताओं से माफी मांगे

सहरसा (एजेंसी)। दरभंगा में राहुल गांधी के मंच से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विवादित बयान को लेकर विरोध जारी है। सहरसा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शनिवार को आक्रोश मार्च निकाला। यह मार्च तिवारी टोला से शुरू होकर हटिया गाछी रेलवे गुमटी तक गयी। बिहार सरकार के नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा, सहरसा विधायक डॉ. आलोक रंजन और प्रदेश भाजपा नेत्री लाजवंती झा ने मार्च का नेतृत्व किया। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी और

राहुल गांधी के विरोध में नारेबाजी की। भाजपा नेता राजीव रंजन अमर ज्योति,शशि भूषण सिंह, समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंत्री जीवेश मिश्रा ने कहा कि,कांग्रेस का असली चाल, चरित्र और चेहरा देश के सामने आ गया है। लोकतंत्र में गाली-गलौज की नहीं, संवाद की जरूरत होती है।

ममता बनर्जी ने खोल दिया है केंद्र के खिलाफ मोर्चा

एसआईआर पर सेंसर मोशन की तैयारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए सत्तारूढ़ टीएमसी और बीजेपी दोनों ने जोरदार तैयारियां शुरू कर दी हैं। पश्चिम बंगाल की सरकार 1 से 4 सितंबर तक विधानसभा का विशेष सत्र बुला रही है। इसमें बीजेपी शासित राज्यों में बंगालियों के साथ कथित अत्याचार को लेकर सेंसर मोशन लाया जा सकता है। इसके अलावा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के खिलाफ भी विधानसभा में प्रस्ताव किया जा सकता है। बता दें कि चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर करवाया है जिसका विपक्ष पुरजोर विरोध कर रहा है। बंगाल में तीन दिन विधानसभा का विशेष सत्र चलेगा। ममता बनर्जी ने कई बार राजस्थान से ओडिशा तक बंगालियों पर होने वाले अत्याचार को लेकर बीजेपी पर हमला किया है। ममता बनर्जी ने दूसरे राज्यों से वापस आने वाले बंगालियों के लिए श्रमश्री योजना बनाई है।

रामबन में फटा बादल, रियासी में लैंडस्लाइड से तबाही

अब तक 11 लोगों की मौत, जम्मू-कश्मीर के हाल बेहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन में बादल फटने की खबर है, मौसम की इस मार ने तीन लोगों की जान ली है। कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है। इस समय भी जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में भारी बारिश जारी है। बताया जा रहा है कि बादल फटने की घटना रामबन के राजगढ़ इलाके में हुई है, उस वजह से वहां पर फ्लैश फ्लड की स्थिति भी बन चुकी है। चार लोग लापता भी बताए जा रहे हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक बादल फटने से कई घरों को नुकसान पहुंचा है, कुछ तो पूरी रह बह भी गए हैं। प्रशासन ने अपने स्तर पर रेसक्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है, बचाव कार्य जारी है। लापता लोगों को खोजना भी एक चुनौती बन गया है, कई सड़कों पर अवरोध है, मुख्य मार्ग से संपर्क टूट चुका है। प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी राहत केंद्र भी बना दिए गए हैं। वैसे शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के ही

चमोली में भी बादल फटा था। उस वजह से भारी नुकसान देखने को मिला, उस घटना के कई वीडियो भी सामने आए थे। अब वहां पर राहत कार्य जारी था, उस बीच रामबन में भी बादल फट गया। बात चाहे जम्मू-कश्मीर की हो या फिर उत्तराखंड की, हर जगह हालात चिंताजनक बने हुए हैं और मौसम की जबरदस्त मार देखने को मिल रही है। बादल फटना भारी बारिश की गतिविधि को कहते हैं। हालांकि, बहुत भारी बारिश की सभी घटनाएं बादल फटना नहीं होतीं। बादल फटने की एक बहुत ही विशिष्ट परिभाषा है। लगभग 10 किमी × 10 किमी क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेमी या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। उसी क्षेत्र में बारिश को भी बादल फटना माना जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रेम, भक्ति एवं शक्ति की अनंत ज्योति हैं राधाजी

(लेखक- ललित गर्ग)

(राधाष्टमी- 31 अगस्त, 2025)

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी का दिन भारतीय संस्कृति में प्रेम, भक्ति, शक्ति और समर्पण का अनोखा पर्व लेकर आता है-यह है राधाष्टमी। इसे राधा रानी का जन्मोत्सव माना जाता है। यह केवल किसी भक्ति की शिखर नारी चरित्र के जन्मोत्सव का पर्व नहीं, बल्कि उस दिव्य शक्ति की अभ्यर्थना है जिसने स्वयं श्रीकृष्ण के जीवन को एक अनूठी ऊंचाई दी। इस दिन भक्त राधा और श्रीकृष्ण की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और उनकी कृपा से सुख-समृद्धि व सौभाग्य की प्राप्ति की कामना करते हैं। ब्रजभूमि, खासकर बरसाना में इसे बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। राधाजी प्रेम, भक्ति और श्रीकृष्ण के भीतर छिपी शक्ति का प्रतीक हैं; वह प्रेम की पराकाष्ठा, भक्ति की देवी और श्रीकृष्ण की आंतरिक शक्ति के रूप में पूजी जाती हैं। उनका दिव्य प्रेम आध्यात्मिक प्रेम की एक मिसाल है। यदि श्रीकृष्ण लीला, माधुर्य और करुणा के अवतार हैं, तो राधा उस लीला का रस, उस माधुर्य की गहराई और उस करुणा की आत्मा हैं। इसीलिए भारतीय भक्ति परंपरा में कहा गया-卐राधे बिनु नहीं कृष्ण, कृष्ण बिनु नहीं राधे卐।

राधा भारतीय संस्कृति में केवल एक स्त्री का नाम नहीं हैं, वे प्रेम की पराकाष्ठा और भक्ति की सर्वोच्च अभिव्यक्ति हैं। उनका प्रेम सांसारिक या देहाधारित नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। यह प्रेम स्वार्थ और अधिकार से परे है, यह प्रेम केवल समर्पण और तादात्म्य का है। राधा का जीवन त्याग और अनुराग का अद्भुत समन्वय है। उन्होंने कभी अपने लिए कुछ नहीं चाहा, उनका हर भाव, हर श्वास केवल श्रीकृष्ण में रमा रहा। यही कारण है कि भक्त कवियों ने राधा को 'भक्ति-रस की मूर्ति' और 'प्रेम की अधिष्ठात्री देवी' कहा। सूरदास ने लिखा-'प्रेम भया मनु भाव समाना, राधा तन मन कृष्ण बखाना।' अर्थात्, प्रेम ऐसा हो कि हृदय और आत्मा में केवल श्रीकृष्ण का ही वास हो जाए। निश्चित ही राधा और श्रीकृष्ण का संबंध, आत्मा और परमात्मा का अद्भुत एवं विलक्षण संवाद है। सामान्य दृष्टि से देखने पर राधा और श्रीकृष्ण का संबंध केवल प्रेमिका-प्रेमी का प्रतीत हो सकता है, लेकिन इसका वास्तविक अर्थ बहुत गहन है। यह संबंध सांसारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक है। यह आत्मा और परमात्मा का शाश्वत संवाद इसलिये है कि इसमें किसी प्रकार का मोह, स्वार्थ या वासना नहीं है।

राधा श्रीकृष्ण के व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करती हैं। श्रीकृष्ण लीला के केंद्र हैं, परंतु वह लीला राधा के बिना अधूरी है। इसीलिए भक्त परंपरा में श्रीकृष्ण का नाम लेने से पहले राधा का नाम लिया जाता है, 卐राधे-कृष्ण卐, 卐श्यामा-श्याम卐। यह क्रम अपने आप में गहरा दार्शनिक संदेश देता है कि परमात्मा तक पहुँचने का मार्ग राधा जैसे प्रेम और भक्ति से होकर जाता है। राधा केवल श्रीकृष्ण की प्रेयसी नहीं, बल्कि उनकी शक्ति और प्रेरणा हैं। गीता में श्रीकृष्ण ने प्रकृति के दो रूप बताए हैं-अपरा और परा। राधा को 'परा प्रकृति' का स्वरूप माना जाता है, जो जीवन को आध्यात्मिकता की ओर ले जाती है। वे श्रीकृष्ण की लीलाओं की आत्मा हैं, उनकी आराधना का आधार हैं। राधा के प्रेम में कोई अधिकार नहीं, केवल समर्पण है। उनका संदेश है कि सच्चा प्रेम पाने में नहीं, बल्कि देने में है। यही देने की भावना जीवन को ऊँचाई देती है। यह प्रेम केवल मनुष्य और मनुष्य के बीच संबंधों में ही नहीं, बल्कि मनुष्य और ईश्वर के संबंध में भी उतना ही प्रासंगिक है।

राधा की भक्ति को सर्वोच्च माना गया है। उनका प्रेम निष्काम है, केवल श्रीकृष्णमय है। उन्होंने अपने अस्तित्व को ही श्रीकृष्ण में विलीन कर दिया। यही कारण है कि चैतन्य महाप्रभु ने राधा की भक्ति को अपनाया और उसी रस में डूबकर कहा-'मैं राधा की भक्ति में श्रीकृष्ण को देखता हूँ और श्रीकृष्ण की भक्ति में राधा को।' सूरदास, रसखान, विद्यापति, मीराबाई-सभी भक्त कवियों ने राधा के माध्यम से ही प्रेम और भक्ति के गहनतम स्वरूप का चित्रण किया। मीराबाई ने जब कहा-卐मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई卐-तो उसमें राधा का ही भाव प्रतिध्वनित होता है। आज के समय में जब संबंधों में स्वार्थ, गणना और तात्कालिकता का समावेश बढ़ता जा रहा है, तब राधा का चरित्र हमारे लिए नई रोशनी देता है। सच्चा प्रेम वही है जिसमें समर्पण, विश्वास और त्याग हो। समकालीन जीवन में जहां परिवार और समाज टूटते जा रहे हैं, वहां राधा का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो उठता है। उनका जीवन बताता है कि जब तक हम संबंधों को केवल लाभ-हानि की दृष्टि से देखते रहेंगे, तब तक उनमें स्थायित्व नहीं आएगा। स्थायित्व तभी आएगा जब उनमें राधा जैसा समर्पण होगा।

भक्ति के स्तर पर भी राधा हमें प्रेरणा देती हैं। आज धर्म अक्सर कर्मकांड और बाहरी आडंबर तक सीमित होता जा रहा है। राधा हमें सिखाती हैं कि भक्ति हृदय की गहराई में होती है, जहां भक्त और भगवान का भेद मिट जाता है। जब हम राधा की तरह निष्काम होकर ईश्वर में समर्पित हो जाते हैं, तब जीवन की हर कठिनाई तुच्छ लगने लगती है और एक अद्भुत शांति प्राप्त होती है। राधा का जीवन हमें यह स्मरण कराता है कि मनुष्य का परम उद्देश्य केवल भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है। वे हमें बताती हैं कि भक्ति केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि हृदय की गहराई से ईश्वर के साथ तादात्म्य स्थापित करना है। आज जब मानवता संघर्ष, तनाव और अकेलेपन से गुजर रही है, राधा हमें सिखाती हैं कि सच्चा समाधान प्रेम और समर्पण में है। यदि हम राधा के जीवन से प्रेरणा लें, तो हमारे व्यक्तिगत संबंध, सामाजिक ताना-बाना और आध्यात्मिक जीवन सब में नई ऊर्जा और शांति

का संचार हो सकता है।

शास्त्रों में श्री राधा श्रीकृष्ण की शाश्वत शक्तिस्वरूपा एवम् प्राणों की अधिष्ठात्री देवी के रूप में वर्णित हैं अतः राधाजी की पूजा के बिना श्रीकृष्ण की पूजा अधूरी मानी गयी है। श्रीमद देवी भागवत में श्री नारायण ने नारदजी के प्रति 'श्री राधायै स्वाहा' षडाक्षर मंत्र की अति प्राचीन परंपरा तथा विलक्षण महिमा के वर्णन प्रसंग में श्री राधा पूजा की अनिवार्यता का निरूपण करते हुए कहा है कि श्री राधा की पूजा न की जाए तो मनुष्य श्रीकृष्ण की पूजा का अधिकार नहीं रखता। स्वयं भोलेनाथ ऋषि नारदजी के पूछने पर कहते हैं कि मैं तो श्रीराधा के रूप, लावण्य और गुण आदि का वर्णन करने मे अपने को असमर्थ पाता हूं। उनके रूप आदि की महिमा कहने में भी लज्जित हो रहा हूं। तीनों लोकों में कोई भी ऐसा समर्थ नहीं है जो उनके रूपादि का वर्णन करके पार पा सके। उनकी रूपमाधुरी जगत को मोहने वाले श्रीकृष्ण को भी मोहित करने वाली है। यदि अनंत मुख से चाहूं तो भी उनका वर्णन करने की मुझमें क्षमता नहीं है।''

शास्त्रों के अनुसार, राधा के बिना कृष्ण की पूजा भी अधूरी मानी जाती है, इसलिए राधा अष्टमी का महत्व बहुत अधिक है। इस दिन व्रत और पूजा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और भक्तों को धन, ऐश्वर्य और सुख मिलता है। विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य और संतान सुख के लिए राधा अष्टमी का व्रत रखती हैं। राधाअष्टमी का पर्व केवल एक जन्मोत्सव नहीं, बल्कि यह हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा प्रेम और भक्ति किसे कहते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, राधा रानी का जन्म बरसाना में वृषभानु और कीर्तिदा के घर हुआ था। उन्हें भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य शक्ति माना जाता है। मान्यता है कि जो भक्त राधा रानी को प्रसन्न कर लेते हैं, भगवान श्री कृष्ण स्वयं उनसे प्रसन्न हो जाते हैं। राधा हमें सिखाती हैं कि प्रेम आत्मा की अनुभूति है, जो परमात्मा से जोड़ता है। वे प्रेम की उस ज्योति की प्रतीक हैं, जो न केवल श्रीकृष्ण को आलोकित करती है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए पथप्रदर्शक बनती है। इसलिए आज के समय में राधा की प्रासंगिकता और भी गहरी हो जाती है। वे हमें जीवन का वह मार्ग दिखाती हैं, जिसमें स्वार्थ नहीं, केवल समर्पण है; जिसमें वासना नहीं, केवल आत्मा और परमात्मा का मिलन है। यही राधा का सच्चा संदेश है और यही राधाष्टमी का वास्तविक महत्व है।

भक्ति के स्तर पर भी राधा हमें प्रेरणा देती हैं। आज धर्म अक्सर कर्मकांड और बाहरी आडंबर तक सीमित होता जा रहा है। राधा हमें सिखाती हैं कि भक्ति हृदय की गहराई में होती है, जहां भक्त और भगवान का भेद मिट जाता है। जब हम राधा की तरह निष्काम होकर ईश्वर में समर्पित हो जाते हैं, तब जीवन की हर कठिनाई तुच्छ लगने लगती है और एक अद्भुत शांति प्राप्त होती है। राधा का जीवन हमें यह स्मरण कराता है कि मनुष्य का परम उद्देश्य केवल भौतिक सुख या उपलब्धि नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा का मिलन है।

संपादकीय

न्याय जैसा हो न्याय

यह सुखद ही है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। लेकिन यहां विचारणीय प्रश्न यह भी कि जिला स्तर पर न्यायालयों में लंबित मामलों का ग्राफ लगातार क्यों बढ़ता जा रहा है। जिला अदालतों में साढ़े चार करोड़ मामलों का लंबित होना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिसके लिये न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। दरअसल, कुछ समाजशास्त्री मानते रहे हैं कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की वजह वह जटिल व्यवस्था भी है, जिसके चलते अपराधी बच निकलने का रास्ता निकाल लेते हैं। किसी भी वारदात के बाद आम विमर्श का विषय होता है कि अपराधियों में पुलिस व कानून का भय नहीं रह गया है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निर्विवाद रूप से देश के सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर ऐसे युगांतरकारी फैसले दिये हैं, जिन्होंने न केवल संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की बल्कि महिलाओं-बच्चों व पीड़ित पक्षों को न्याय भी दिलाया है। साथ ही समय-समय पर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की है।

भारत- जापान दोस्ती से नये वैश्विक संतुलन की कोशिश

(लेखक - ललित गर्ग)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच 'दोस्ती के नए दौर' का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे।

आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक 'रणनीतिक अवसर' है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफ वार से बने शून्य की भरपाई की जा सके।

निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना 'संतुलनकारी शक्ति' की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है।

जापान भारत का पूराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन् 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरुआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में 'नई शक्ति धुरी' का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो 'मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा मिलेगी।

हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर 'एशिया-प्रशांत' को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक 'पैसिव खिलाड़ी' से 'ग्लोबल लीडर' की भूमिका में लाने का अवसर है।

भारत-जापान की दोस्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रूवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है।

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं-आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं।

जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

विचार मंथन

गाजा में इजराइल का नरसंहार

(लेखक- सनत जैन)

इजरायल की सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है। इजरायली सेना ने यहां पर मानवीय मदद पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी है। गाजा शहर में रहने वाले हजारों नागरिकों को पिछले कई महीनो से भोजन नहीं मिल पा रहा है। हजारों लोगों की पहले ही मौत हो चुकी है। यहां के नागरिकों को पानी भी नहीं मिल रहा है। भोजन और पानी के अभाव में बूढ़े, बच्चे, महिलाओं ने हजारों की संख्या में दम तोडा है। अब इजराइल ने गाजा सिटी को ही युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है। इजरायल की सेना लगातार फिलिस्तीनी नागरिकों के ऊपर कहर ढा रही है। अभी तक 80000 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। सारी दुनिया इस नरसंहार को चुपचाप देख रही है। इतने बड़े नरसंहार के बाद भी सारी दुनिया के देश चुप बैठे हैं। इजरायल की लड़ाई, आतंकी संगठन हमास के साथ थी। फिलिस्तीन की सरकार और नागरिक दो पाटों के बीच में फंसी हुई हैं। एक और इजरायल की सेना कहर बरपा रही है। दूसरी ओर हमास के लडाके फिलिस्तीन पर अपना दबाव बनाए हुए हैं। वहां की सरकार के नियंत्रण में कुछ नहीं है। इजराइल भी हमास से लड़ने के बहाने फिलिस्तीन के नागरिकों को मारकर अपनी भडास निकाल रहा है। जब फिलिस्तीन में सरकार के पास सेना ही नहीं है। ऐसी स्थिति में 2 देशों के बीच में यह युद्ध नहीं हो रहा है। इजराइल आतंकवादी संगठन हमास से लड़ रहा है। इसके बाद भी फिलिस्तीन के निर्दोष नागरिक जिनमें बुजुर्ग बच्चों और महिलाएं शामिल हैं। उनको मारकर फिलिस्तीन की जमीन पर कब्जा कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा परिषद इस नरसंहार को रोकने के जो भी प्रयास किए थे। वह सफल नहीं हुए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी बड़ी-बड़ी डींग हाक रहे हैं। उसके बाद भी फिलिस्तीन के निर्दोष नागरिक लगातार मारे जा रहे हैं। आतंक की जो पराकाष्ठा हो सकती है। वह गाजा में देखने को मिल रही है। हमास के आतंकवादी संगठन से ज्यादा इजरायल की सेना में क्रूरता देखने को मिल रही है। इजराइल ने गाजा सिटी को खतरनाक क्षेत्र घोषित कर दिया है। इसके बाद जितनी बर्बरता इजरायल की सेना कर सकती है, कर रही है। सारी दुनिया चुपचाप तमाशा देख रही है। जब एक छोटे से देश फिलिस्तीन को लेकर सुरक्षा परिषद और अमेरिका जैसे देश इस नरसंहार को रोकने कुछ नहीं कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में आसानी के साथ समझा जा सकता है, रूस और यूक्रेन के बीच जो युद्ध पिछले कई महीनो से चल रहा है। उसे अमेरिका और नाटो के देश कैसे रोक पाएंगे। गाजा में इजराइल की सेना से लड़ने वाला कोई नहीं है। मासूम नागरिक वहां पर इजरायली सेना और नेतन्याहू के पागलपन का शिकार हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की यह चुप्पी बता रही है, अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। भारत जैसा संवेदनशील धार्मिक राष्ट्र इस नरसंहार को रोकने के लिए जो प्रयास कर सकता था, वह नहीं कर रहा है। यह एक आश्चर्यजनक बात है। जिसकी लाठी उसकी भैंस वाला सिद्धांत एक बार फिर दुनिया के देशों के बीच में देखने को मिल रहा है। इजरायल-फिलिस्तीन, रूस-यूक्रेन, इरान इत्यादि देशों में हजारों निर्दोष बेसहारा लोगों की हत्या हो रही है।

वर्तमान स्थिति यह बताती है, विकास और पूंजीवाद के रास्ते चलते हुए मानव समाज कितना असंवेदनशील एवं निर्मम हो चुका है। दुनिया के देश मिलकर भी इजराइल को नरसंहार करने से नहीं रोक पा रहे हैं। इजराइल लगातार फिलिस्तीन पर कब्जा करता चला जा रहा है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच में जिस तरह की तल्खी देखने को मिल रही है। उससे तीसरे विश्व युद्ध की आशंका यदा-कदा सामने आने लगी है। सारी दुनिया, प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध की भारी तबाही देखने के बाद भी, कोई सबक नहीं सीख पाई है। तो भगवान ही मालिक है।

जिस फिलिस्तीन के पास अपनी कोई सेना नहीं है। इजरायल की सेना नागरिकों मार रही है। ल्लम्बे समय तक नरसंहार करने के बाद भी हमास के लड़ाकों से इजराइल नहीं जीत पा रहा है। निर्दोष नागरिकों को मारकर इजराइल अपनी दादागिरी और आतंक को सही ठहरना चाहता है। इस स्थिति में मानवता और मानव अधिकारों की बात करना बेमानी है।

भारत की आर्थिक वृद्धि दर उम्मीद से बेहतर 7.8 फीसदी रही

नई दिल्ली । सरकार द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जो उम्मीद से बेहतर और हाल की पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। यह वृद्धि दर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाए जाने से पहले की अवधि की उच्चतम वृद्धि को दर्शाती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों में यह सामने आया है कि कृषि क्षेत्र में इस तिमाही में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की 1.5 प्रतिशत वृद्धि से बेहतर है। इस क्षेत्र की मजबूत वृद्धि ने समग्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं, व्यापार, होटल और रियल एस्टेट जैसे सेवा क्षेत्रों ने भी जीडीपी वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर भी मामूली बढ़त के साथ 7.7 प्रतिशत रही, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 7.6 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है।

एफएसएसएआई मानकों पर खरी नहीं उतरने वाली चाय नीलामी से हटेगी: टी बोर्ड

कोलकाता । भारतीय चाय बोर्ड (टी बोर्ड) ने निर्देश जारी किया है कि जो चाय भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मानकों के अनुरूप नहीं है, उसे नीलामी से पहले बाजार से हटा दिया जाएगा। एक परिपत्र के माध्यम से बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 2003 के तहत कोई भी निर्माता अमानक चाय का उत्पादन नहीं कर सकता। टी बोर्ड ने यह भी निर्देश दिया है कि अमानक चाय की खेप को नष्ट करने के लिए विक्रेता को बोर्ड से संपर्क करना अनिवार्य होगा। इससे पहले, बोर्ड ने निर्देश दिया था कि एक वर्ष में तैयार होने वाली सभी डस्ट-ग्रेड चाय की बिक्री केवल नीलामी के माध्यम से ही की जाए। यह कदम गुणवत्ता, पारदर्शिता और बेहतर मूल्य निर्धारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इंडियन टी एसोसिएशन (आईटीए) और टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएआई) जैसे व्यापार संगठनों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। टीएआई के अनुसार, उत्तर भारत में कुल चाय उत्पादन का लगभग 20 फीसदी हिस्सा डस्ट ग्रेड चाय का होता है।

भारत में रूसी उर्वरकों का रिकॉर्ड आयात, पहली छमाही में 20 फीसदी बढ़ा

मॉस्को । वर्ष 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से 25 लाख टन उर्वरक आयात किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। रूसी उर्वरक उत्पादक संघ के एक प्रमुख अे धिकारी के अनुसार इससे भारत के कुल उर्वरक आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर रिकॉर्ड 33 प्रतिशत हो गई है। इसका मतलब है कि भारत द्वारा आयात किए जा रहे हर तीसरे टन उर्वरक की आपूर्ति अब रूस से हो रही है। एक रूसी समाचार एजेंसी के मुताबिक पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बाद भारत ने मित्र देश के रूप में रूस से उर्वरक खरीद में अग्रणी भूमिका निभाई है। इस साझेदारी से भारत को सस्ती और स्थिर उर्वरक आपूर्ति मिल रही है, जबकि रूस को अपने निर्यात का नया बाजार प्राप्त हो रहा है। यह दोनों देशों के बीच मजबूत होते व्यापारिक संबंधों का संकेत है।

सेंसेक्स और निफ्टी में 1.8 फीसदी की गिरावट रही

- अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं शेयर बाजार कमजोर हुआ

नई दिल्ली । बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में गिरावट का रुख देखा गया। गणेश चतुर्थी के कारण 27 अगस्त को बाजार बंद रहने के चलते केवल चार कारोबारी दिन थे। इन चार दिनों में बाजार ने मिले-जुले प्रदर्शन के बाद कुल मिलाकर लगभग 1.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। सप्ताह की शुरुआत अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों और आईटी सेक्टर में खरीदारी के चलते सकारात्मक रही, लेकिन अमेरिका की ओर से भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की मसौदा अधिसूचना जारी होने के बाद बाजार में दबाव बढ़ गया। सप्ताह के पहले दिन सेंसेक्स 285 अंक चढ़कर 81,635 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 91 अंक की बढ़त के साथ 24,967 पर बंद किया। हालांकि, मंगलवार को अमेरिकी टैरिफ की घोषणा के बाद सेंसेक्स 849 अंक गिर गया और निफ्टी भी 255 अंक नीचे आ गया। गुरुवार को भी वैश्विक व्यापार तनाव के चलते सेंसेक्स और निफ्टी क्रमशः 705 और 211 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। निवेशकों में अमेरिकी आर्थिक नीतियों और व्यापार बाधाओं को लेकर चिंता स्पष्ट रूप से देखी गई। शुक्रवार को बाजार ने थोड़ी मजबूती दिखाई और सेंसेक्स 197 अंक ऊपर खुला, लेकिन अंत में 271 अंक गिरकर 79,809 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 74 अंक गिरकर 24,426 पर बंद हुआ। साप्ताहिक आधार पर

यह स्पष्ट हुआ कि अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं भारतीय शेयर बाजार पर दबाव बना रही हैं। निवेशक अब आगामी सप्ताह में फेडरल रिजर्व की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा पर नजर बनाए हुए हैं, जो बाजार के अगले रुझान को प्रभावित कर सकते हैं।

रिजर्व बैंक ने बंधन बैंक पर लगाया 44.70 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैधानिक और नियामकीय निर्देशों के उल्लंघन पर बंधन बैंक पर 44.7 लाख का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 31 मार्च, 2024 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर किए गए निरीक्षण के बाद की गई। आरबीआई ने बताया कि बैंक ने कुछ कर्मचारियों को अनुचित रूप से कमीशन के रूप में पारिश्रमिक दिया। इसके अलावा बैंक ने खातों के डेटा में 'बैक-एंड' के माध्यम से हस्तक्षेप किया और सिस्टम में उपयोगकर्ताओं के ऑडिट ट्रेल्स/लॉग्स दर्ज नहीं किए, जिससे पारदर्शिता में कमी आई। इन उल्लंघनों के आधार पर बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जांच और उत्तरों की समीक्षा के बाद जुर्माना लगाया गया।

रूस और वेनेजुएला से अटकी रकम की वसूली की उम्मीद में ओवीएल

- बैंकिंग चैनल खुलने और प्रतिबंधों में छूट से 95 करोड़ डॉलर की फंसी रकम मिलने की संभावना

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की विदेशी इकाई ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) को रूस और वेनेजुएला से अपनी करीब 95 करोड़ डॉलर की अटकी हुई रकम की वसूली की उम्मीद है। कंपनी को यह राशि वहां की तेल एवं गैस परियोजनाओं से हुए लाभांश और हिस्सेदारी से मिलनी है, जो बैंकिंग प्रतिबंधों और राजनीतिक कारणों से फंसी हुई है। ओवीएल के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि रूस में ओवीएल की परिसंपत्तियों से मिला लगभग 35 करोड़ डॉलर का लाभांश जुलाई 2022 से फंसा हुआ है। यह राशि रूस के बैंकिंग प्रतिबंधों के कारण भारत स्थानांतरित नहीं हो पा रही, हालांकि वहां संचालन सामान्य रूप से चल रहा है। इसके अलावा वेनेजुएला में ओवीएल की सान क्रिस्टोबल परियोजना में 40 फीसदी हिस्सेदारी है, जहां से लगभग 60 करोड़ डॉलर की राशि मिलनी है। लेकिन अमेरिका सहित कई देशों द्वारा लगाए गए अर्थिक प्रतिबंधों के कारण यह रकम अटकी हुई है। कंपनी ने इन प्रतिबंधों से छूट की मांग की है ताकि बकाया वसूला जा सके। उन्होंने कहा कि जब तक रूसी तेल वाणिज्यिक रूप से लाभदायक रहेगा और भारतीय रिफाइनरियों की आवश्यकताओं को पूरा करता रहेगा, तब तक उसकी खरीद जारी रहेगी। ओवीएल को उम्मीद है कि निकट भविष्य में बैंकिंग चैनलों के खुलने और राजनयिक प्रयासों से यह वित्तीय संकट सुलझ सकेगा।

बाजार में गिरावट आने पर डर से म्यूचुअल फंड बेचना सही नहीं, सोच समझकर कर फैसला लें

नई दिल्ली।

भारतीय निवेशक अक्सर म्यूचुअल फंड खरीदने की बात करते हैं, कौन सा फंड अच्छा है, कौन सा फंड मैनेजर अच्छा रिटर्न दे रहा है, या कौन सी कैटेगरी में पैसा लगाना चाहिए, लेकिन बेचने की बात कम होती है। कुछ लोग तो बेचते ही नहीं, और कुछ जल्दबाजी में गलत समय पर बेच देते हैं। सही समय पर बेचना आपकी कमाई को बचा सकता है, नहीं तो अच्छा फंड भी नुकसान दे सकता है। गलत कारणों से बेचने से बचें।

बाजार में गिरावट आने पर डर के मारे फंड बेच देना सही नहीं है। 2008 में सेंसेक्स 21,000 से गिरकर 8,000 आ गया था। उस समय कई निवेशकों ने डरकर अपने फंड बेच दिए, लेकिन अगर वे रुके होते, तो पांच साल में उनकी रकम दोगुनी हो सकती थी। इसी तरह अगर आपका फंड कुछ समय तक अच्छा परफॉर्म नहीं करता, तो उसे तुरंत नहीं बेचना चाहिए। हर फंड के बुरे दिन आते हैं या फिर अगर आपका दोस्त किसी नए फंड में पैसा डाल रहा है, तो उसके पीछे भागकर पुराना फंड बेच देना भी गलती है।

एक रिपोर्ट में अमेरिकी रिसर्च फर्म के मुताबिक निवेशकों को फंड के मुकाबले 3-4 फीसदी कम रिटर्न मिलता है, क्योंकि वे गलत समय पर बेच देते हैं। भारतीय निवेशक भी ऐसा ही करते हैं। पहला अगर आपका वित्तीय लक्ष्य पूरा हो गया हो- जैसे, अगर आपने बच्चे की पढ़ाई के लिए निवेश किया था और अब वह रकम चाहिए, तो बेच देना सही है। दूसरा, अगर फंड लगातार कई सालों तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है। अगर आपका फंड अपने बेंचमार्क या दूसरों से पीछे है, तो उसे बदलने का समय है। तीसरा,

अगर आपकी जिंदगी में बड़ा बदलाव आया हो, जैसे नौकरी छूटना या रिटायरमेंट, तो अपने फंड को कम जोखिम वाले विकल्प में शिफ्ट कर सकते हैं। चौथा, अगर बाजार बहुत ज्यादा ऊंचा हो और आपको लगता हो कि गिरावट आ सकती है, तो कुछ रकम सुरक्षित जगह डालना ठीक होगा, लेकिन ये फैसला सावधानी से लें।

बता दें बेचने से पहले अपने फंड की जांच करें। फंड मैनेजर बदल गया हो, फंड का स्टाइल बदल गया हो, या उसका खर्चा ज्यादा हो, तो ये बेचने का कारण हो सकता है। लेकिन जल्दबाजी न करें। अपने वित्तीय सलाहकार से बात करें। बाजार की अस्थिरता को समझें और धैर्य रखें। म्यूचुअल फंड लंबे समय के लिए होते हैं और सही समय पर बेचने से आपकी मेहनत की कमाई सुरक्षित रह सकती है।

अमेरिका के टैरिफ से ट्राइडेंट ग्रूप संकट में

- कंपनी का करीब 70 प्रतिशत निर्यात अकेले अमेरिका में

- कंपनी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ी

- शेयर बाजार में भारी गिरावट, 60 से 27 रूपये पहुंची कीमत

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ से भारतीय टेक्सटाइल कंपनियों को भारी नुक्सान हुआ है। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेक्सटाइल उत्पादक देश है। टेक्सटाइल और परिधान उद्योग का 2024 में बाजार आकार लगभग 146.55 अरब यूएस डॉलर का था और 2030 तक 350 अरब यूएस डॉलर तक पहुँचने का अनुमान लगाया जा रहा था। लेकिन अमेरिकी टैरिफ ने इस विकास यात्रा को बड़ा झटका दिया है।

देश की जानी मानी टेक्सटाइल कंपनी ट्राइडेंट अमेरिका में होम टेक्सटाइल (बाथ व बेड लिनेन) का निर्यात बड़ी मात्रा में करती है। अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के चलते गंभीर संकट में फंस गई है। अमेरिका ट्राइडेंट ग्रूप के लिए सबसे बड़ा निर्यात बाजार है और कंपनी का करीब 70 प्रतिशत होम टेक्सटाइल (बाथ और बेड लिनेन) निर्यात अकेले अमेरिका में होता है। अन्य देशों में 20 प्रतिशत और भारत के घरेलू बाजार में लगभग 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

ट्राइडेंट अपने उत्पादों का निर्यात 150 देशों में करता है, जो एशिया, यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका जैसे छह महाद्वीपों तक फैला हुआ है। कंपनी के कुल राजस्व का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात से आता है, जिसमें अमेरिका की हिस्सेदारी सबसे बड़ी है। 50 प्रतिशत टैरिफ का असर अब मध्यप्रदेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर साफ दिखने लगा है। राज्य के मंडीदीप और बुधनी लंबे समय से भारत के प्रमुख टेक्सटाइल हब माने जाते हैं। यहां से न सिर्फ घरेलू बाजार बल्कि बड़े पैमाने पर निर्यात भी होता है। ट्राइडेंट के साथ वर्धमान, अनंत स्पिनिंग और सागर मैन्युफैक्चरर्स जैसी कंपनियां अमेरिका में बड़े स्तर पर टेक्सटाइल निर्यात करती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ से ट्राइडेंट ग्रूप की लागत बढ़ जाएगी और अमेरिकी बाजार में इसकी प्रतिस्पर्धा क्षमता कमजोर होगी। इससे न केवल निर्यात प्रभावित होगा बल्कि कंपनी की आय और लाभांश पर भी बड़ा असर पड़ेगा।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस झटके के तुरंत बाद भारतीय शेयर बाजार में ट्राइडेंट ग्रूप के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई।

तीन साल में खुदरा राजस्व में 20 फीसदी सीएजीआर का लक्ष्य: रिलायंस रिटेल

- हर साल 2,000-3,000 नए स्टोर खोलने की योजना

मुंबई । रिलायंस रिटेल को आने वाले तीन वर्षों में अपने खुदरा राजस्व में 20 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) हासिल होने का भरोसा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कंपनी की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि कंपनी के विकास के तीन मुख्य इंजन - ऑफलाइन स्टोर्स, ऑनलाइन चैनल और बी2बी सेगमेंट पहले से ही लाभदायक हैं और तीव्र वृद्धि के लिए तैयार हैं। ईशा अंबानी ने बताया कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में 2,659 नए स्टोर खोले, जिससे स्टोर्स की कुल संख्या 19,340 हो गई है। ये स्टोर्स 7,000 से अधिक शहरों और कस्बों में 7.7 करोड़ वर्ग फुट में फैले हैं। वर्तमान में कंपनी का लगभग 70 फीसदी राजस्व फिजिकल स्टोर्स से आता है। अगले तीन वर्षों में हर साल 2,000-3,000 नए स्टोर खोलने की योजना है। ऑनलाइन चैनल की हिस्सेदारी फिलहाल सिंगल डिजिट में है, लेकिन कंपनी का लक्ष्य इसे तीन वर्षों में 20 फीसदी तक पहुंचाना है। क्विक कॉमर्स में बेहतर डिलीवरी नेटवर्क और डेटा एनालिटिक्स के साथ कंपनी प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने की योजना बना रही है। ईशा अंबानी ने कहा कि कंपनी की मजबूती उसके आठ प्रमुख स्तंभों पर आधारित है, जिनमें उपभोक्ता की समझ, उत्पाद विकास, तेज आपूर्ति श्रृंखला और ओमनी-चैनल रणनीति शामिल हैं।

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया में एआई एजेंट की मांग बढ़ी, राजस्व में 9 फीसदी बढ़ोतरी

- एआई एजेंटों के सहारे कारोबार में बढ़ी तेजी

मुंबई ।

माइक्रोसॉफ्ट इंडिया की बिक्री टीमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एआई एजेंटों का उपयोग कर अपने कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज कर रही हैं। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने बेंगलूरु में वॉलमार्ट ग्लोबल टेक के रिटेल-टेक कार्यक्रम कन्वर्ज 2025 में बताया कि एआई के इस्तेमाल से उनकी बिक्री टीमों ने राजस्व में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि की है और सौदे करने की गति 20 प्रतिशत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि एआई एजेंट कंपनियों के लिए सबसे लोकप्रिय तकनीक बन गए हैं, जो कर्मचारियों के सामान्य कार्यों में मदद करते हैं, उत्पादकता बढ़ाते हैं और उन्हें अधिक मूल्यवर्धित काम करने के लिए समय प्रदान करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राहक सेवा के क्षेत्र में भी 12 प्रतिशत तक सुधार हुआ है। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया और दक्षिण एशिया प्रमुख ने यह उदाहरण भी दिया कि कंपनी के एक-तिहाई कोड गिटहब के कॉ-पायलट एआई ने ही लिखा है, जो तकनीक के महत्व को दर्शाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एआई को अपनाने में

कार्यबल के बीच कुछ चुनौतियां हैं। कई कर्मचारी इस तकनीक को अपनाने में झिझक रहे हैं, खासकर इस डर से कि एआई उनकी नौकरियों को प्रभावित कर सकती है। इस प्रकार जबकि एआई व्यवसायों के लिए नई संभावनाएं खोल रहा है, वहीं इसके साथ आने वाली सामाजिक चुनौतियों से निपटना भी जरूरी है। माइक्रोसॉफ्ट की इस पहल से यह स्पष्ट होता है कि भविष्य की कार्य संस्कृति में एआई का योगदान अहम होगा।

1 अरब स्क्रीन की ओर जियोस्टार, भारत बना दुनिया का दूसरा स्ट्रीमिंग हब

- जियो हॉटस्टार ने तीन महीनों में 60 करोड़ उपयोगकर्ता जोड़े

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज और वॉल्ट डिज्नी के संयुक्त उपक्रम जियोस्टार ने भारत के मीडिया और एंटरटेनमेंट उद्योग में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी का लक्ष्य मोबाइल, टेलीविजन और कनेक्टेड टीवी (सीटीवी) जैसे सभी प्लेटफॉर्म्स पर 1 अरब स्क्रीन तक सेवाएं पहुंचाना है। यह जानकारी रिलायंस इंडस्ट्रीज के गैर-कार्यकारी निदेशक आकाश अंबानी ने कंपनी की 48वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में दी। जियोस्टार का ओटीटी प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार, फरवरी 2025 में लॉन्च होने के बाद सिर्फ तीन महीनों में ही 60 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं को जोड़ चुका है, जिनमें 7.5 करोड़ कनेक्टेड टीवी उपयोगकर्ता शामिल हैं।

इसके साथ ही 30 करोड़ पेड सब्सक्राइबर्स के साथ यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म बन गया है और वह भी पूरी तरह भारत में स्थापित। जियोस्टार पर 3.2 लाख घंटे से अधिक का कंटेंट उपलब्ध है, जो भारत के दो अन्य बड़े ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के कुल कंटेंट का छह गुना है। हर साल इसमें 30,000 घंटे का नया कंटेंट जोड़ा जा रहा है। तकनीक के मोर्चे पर भी जियोस्टार आगे है। कंपनी ने एआई वॉइस क्लोनिंग और लिप-सिंकिंग जैसे फीचर्स की मदद से किरदारों को क्षेत्रीय भाषाओं में अपनी खुद की आवाज़ में बोलने की क्षमता दी है।

वॉल्ट डिज्नी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर डिज्नी के लिए सबसे रोमांचक और महत्वपूर्ण बाजारों में से एक बन गया है।

जापान भारत में 10 लाख करोड़ येन करेगा निवेश

- मोदी ने 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' का किया आग्रह

मुंबई ।

टोक्यो में आयोजित 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। जापान ने अगले 10 वर्षों में भारत में 10 लाख करोड़ येन (67 अरब डॉलर) के निवेश का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापानी कंपनियों से 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' की अपील की है। दोनों पक्षों ने 13 महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया, जिनमें रक्षा सहयोग को मजबूत करना, भारत में खनन क्षेत्र में जापानी निवेश, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग, और हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के विस्तार के लिए जापानी सहायता शामिल हैं। इसके अलावा, जापान में 50,000 भारतीयों को कुशल और अर्ध-कुशल प्रशिक्षण देने का भी समझौता हुआ है। मोदी ने बताया कि भारत-जापान संबंध केवल केंद्र सरकार तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राज्य और प्रांत स्तर पर भी गहरा सहयोग होगा। हाल ही में आंध्र प्रदेश-तोयामा, तमिलनाडु-एहिमे, उत्तर प्रदेश-यामानाशी और गुजरात-शिजुओका के बीच साझेदारी स्थापित की गई है। दोनों देश छोटे और मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग को बढ़ावा देंगे। यह पहल व्यापार और तकनीकी नवाचार के लिए नए अवसर पैदा करेगी। जापान का यह निवेश और सेमीकंडक्टर सहयोग ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब भारत अमेरिकी शुल्कों की चुनौतियों से जूझ रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में भारत-जापान ने 150 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका संचयी मूल्य 13 अरब डॉलर है। इस साझेदारी से भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति को मजबूती मिलेगी और दोनों देशों के बीच व्यापारिक तथा सामरिक संबंध और गहरे होंगे।

वित्त वर्ष 2026 में यात्री वाहन बिक्री में मामूली वृद्धि की उम्मीद

- इक्रा ने जताई 1-4 फीसदी वृद्धि की संभावना, नए मॉडल और जीएसटी कटौती से बढ़ सकती है मांग

मुंबई ।

देश के यात्री वाहन उद्योग में वित्त वर्ष 2026 के दौरान थोक बिक्री में 1 से 4 प्रतिशत की सीमित वृद्धि देखी जा सकती है। एक रेटिंग एजेंसी ने यह अनुमान जताया है। एजेंसी के अनुसार ऊंचे आधार वर्ष और डीलरों के पास बिना बिके वाहनों की अधिकता जैसी चुनौतियों के बावजूद, नए मॉडल्स की लॉन्चिंग और जीएसटी दरों में संभावित कटौती से बाजार को सहारा मिल सकता है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में थोक बिक्री में 1.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जिससे उद्योग के सामने निकट अवधि की चुनौतियों का संकेत मिलता है। हालांकि, एजेंसी को उम्मीद है कि सरकार की नीतिगत मदद और वाहनों की वहन क्षमता में वृद्धि से कुछ श्रेणियों में मांग बढ़ सकती है। एसयूवी सेगमेंट अब भी उद्योग का प्रमुख विकास इंजन बना हुआ है। इनकी यात्री वाहनों की कुल बिक्री में दो-तिहाई हिस्सेदारी है और आने वाले तिमाहियों में इनकी मांग बनी रहने की संभावना है। विशेष रूप से यूटिलिटी वाहनों की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। जुलाई 2025 में थोक बिक्री सालाना आधार पर 3.4 लाख यूनिट पर स्थिर रही, जबकि खुदरा बिक्री में 0.8 फीसदी की गिरावट देखी गई। निर्यात के मोर्चे पर भी सकारात्मक संकेत मिले हैं। जुलाई में यात्री वाहन निर्यात में 9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें मारुति सुजुकी और ह्युंडै मोटर इंडिया अग्रणी रहीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान रॉयल्स को लगा बड़ा झटका, राहुल द्रविड़ ने हेड कोच पद से अचानक दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल द्रविड़ ने राजस्थान रॉयल्स से नाता तोड़ लिया है। जयपुर स्थित इस फ्रैंचाइज़ी ने शनिवार (30 अगस्त) को एक्स के ज़रिए इस खबर की पुष्टि की कि द्रविड़ सिर्फ़ एक सीज़न के बाद ही अपने पद से हट रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में 46 मैच खेलने वाले द्रविड़ पिछले साल भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद फ्रैंचाइज़ी में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए थे। लेकिन दुनिया की सबसे अमीर फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट लीग के 2025 संस्करण में द्रविड़ कुछ ख़ास कमाल नहीं दिखा पाए।

उनके मार्गदर्शन में, आरआर 14 में से केवल चार मैच ही जीत पाई और लीग तालिका में नौवें स्थान पर रही। राजस्थान रॉयल्स ने द्रविड़ के विदाई पोस्ट पर लिखा कि गुलाबी रंग में आपकी उपस्थिति ने युवा और अनुभवी दोनों को प्रेरित किया। हमेशा रॉयल्स। हमेशा आभारी। फ्रैंचाइज़ी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने आज घोषणा की कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ आईपीएल 2026 से पहले फ्रैंचाइज़ी के साथ अपना कार्यकाल समाप्त कर देंगे। राहुल कई वर्षों से रॉयल्स के सफ़र के केंद्र में रहे हैं। उनके नेतृत्व ने खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को प्रभावित किया है, टीम में मज़बूत मूल्यों का संचार किया है और फ्रैंचाइज़ी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

फ्रैंचाइज़ी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहाफ्रैंचाइज़ी की संरचनात्मक समीक्षा के तहत, राहुल को फ्रैंचाइज़ी में एक व्यापक पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स, उसके खिलाड़ी और दुनिया भर के लाखों प्रशंसक फ्रैंचाइज़ी के प्रति उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। द्रविड़ दूसरे ऐसे मुख्य कोच हैं जिन्होंने आईपीएल 2026 की मेगा नीलामी से पहले किसी आईपीएल फ्रैंचाइज़ी से नाता तोड़ लिया है। पिछले महीने कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी चंद्रकांत पंडित से नाता तोड़ लिया था। आईपीएल 2023 से पहले केकेआर में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए पंडित ने 2024 में मुख्य कोच के रूप में आईपीएल खिताब जीता था। आशीष

नेहरा के बाद, वह मुख्य कोच के रूप में आईपीएल खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं।

यूएस ओपन : नोवाक जोकोविच ने चौथे दौर में जगह बनाई

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। जोकोविच ने गैरवरीय ब्रिटिश खिलाड़ी कैमरन नॉरी को 6-4, 6-7(4), 6-2, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 38 साल के जोकोविच यूएस ओपन के अंतिम 16 में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 1991 में जिमी कॉनर्स ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

जोकोविच ने मेजर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा हार्डकोर्ट जीत के मामले में रोजर फेडरर को पीछे छोड़ते हुए अपनी 102वीं जीत दर्ज की। चार बार के यूएस ओपन चैंपियन ने नॉरी के खिलाफ अपना शानदार रिकॉर्ड 7-0 तक भी पहुंचाया।

जीत के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे लगता है कि किसी भी मैच में आप बिना किसी नाटकीयता के सीधे सेटों में जीतना चाहते हैं और आसानी से जीत हासिल करना चाहते हैं, लेकिन यह संभव नहीं है। मेरी टीम चाहती है कि मैं कोर्ट पर संघर्ष करूं ताकि मैं मैच खेलने में कुछ और समय बिता सकूं। मैंने विंबलडन के बाद से कोई मैच नहीं खेला था।' उन्होंने कहा, 'मैं अभी भी कोर्ट पर अपनी लय और लय ढूंढ़ने की कोशिश कर रहा हूं।'

पहले सेट में 5-4 की बढ़त लेने के बाद नोवाक जोकोविच को पीठ की समस्या महसूस हुई। सेट खत्म करने के लिए वापस लौटने से पहले उन्होंने इलाज के लिए कुछ देर के लिए कोर्ट छोड़ दिया। दूसरे सेट की शुरुआत उन्होंने ज्यादा सावधानीपूर्वक की। उनकी सर्विस की गति कम रही। जोकोविच को एक कड़े टाईब्रेकर में संघर्ष करना पड़ा, जिसे नॉरी ने जीत लिया। तीसरे सेट में ब्रिटिश खिलाड़ी ने जल्दी ही अपनी सर्विस तोड़ दी, लेकिन जोकोविच ने लगातार तीन गेम जीतकर जवाब दिया। पूरी तरह से नियंत्रण हासिल करते हुए, जोकोविच ने तीसरे सेट को खत्म किया और चौथे सेट में दबदबा बनाते हुए जीत पक्की कर ली। जोकोविच का अगला मुकाबला जान-लेनार्ड स्ट्रफ के साथ होगा।

रैना ने किया 2027 वनडे विश्व कप के लिए रोहित और विराट का समर्थन, कहा- उनके पास काफी अनुभव

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को 2027 के वनडे विश्व कप में खेलना चाहिए क्योंकि वे न केवल पहले खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे है बल्कि उनके पास इस बड़े टूर्नामेंट के लिए आवश्यक अनुभव भी है। दोनों खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं लेकिन वे वनडे विश्व कप जीतने का सपना अभी भी पूरा कर सकते है।

रोहित और विराट के भारतीय टीम में भविष्य को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही है। अटकलें इस पर भी है कि दो साल बाद होने वाले विश्व कप में वे भारतीय टीम का हिस्सा होंगे या नही। विश्व कप शुरू होने तक रोहित 40 साल के हो जाएंगे जबकि विराट 39 साल के। दोनों को वनडे विश्व कप में खेलने के लिए भारतीय टीम द्वारा खेले जाने वाले एकदिवसीय मैचों में नियमित रूप से हिस्सा लेना होगा।

रैना ने कहा, 'रोहित और कोहली को 2027 का वनडे विश्व कप खेलना चाहिए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित और विराट दोनों के पास बहुत अनुभव है। मुझे लगता है कि वे 2027 के विश्व कप में जरूर खेलेंगे। उन्हें खेलना चाहिए।'

रोहित और विराट दोनों के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली भारत की आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने की संभावना है। इस दौरे के बाद भारतीय टीम नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला भी खेलेगी। रोहित और विराट ने इन दोनों श्रृंखलाओं की तैयारी शुरू कर दी है।

रोहित और विराट ने मई की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास की घोषणा करके क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। जिससे इंग्लैंड के अहम दौरे से ठीक पहले भारतीय टेस्ट टीम में एक बड़ा खालीपन आ गया।

औकिब नबी ने दलीप ट्रॉफी में रचा इतिहास, 4 गेंदों में 4 विकेट, एलीट लिस्ट में हुए शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करते हुए जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी ने गेंद से कहर बरपाते हुए बेंगलुरू में नोर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन मैच में चार गेंदों में चार विकेट लेकर शानदार हैट्रिक ली। औकिब पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी सबसे सफल तेज गेंदबाज रहे। उन्होंने फरवरी में अपने आखिरी प्रथम श्रेणी मैच में भी छह विकेट लिए थे।

दलीप ट्रॉफी में देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ उनका प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। नोर्थ जोन बनाम ईस्ट जोन मैच में उन्होंने अपने पहले आठ ओवरो में कोई विकेट नही लेने के बाद सिर्फ 13 गेंदों में पांच विकेट चटकाए। औकिब ने शुरुआत में तो गेंद से कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया लेकिन उनके प्रदर्शन में बदलाव आया। जिससे अंततः नोर्थ जोन को बड़ी बढ़त हासिल हुई। जब ईस्ट जोन सिर्फ 183 रन पिछे रह गया था तब नबी ने गेंद से प्रभाव छोड़ते हुए 102 गेंदों पर 69 रन बनाने वाले ईस्ट जोन के अहम बल्लेबाज विराट सिंह को क्लीन बोल्ड किया। जिससे उन्होंने अहम साझेदारी को तोड़ा।

यह आउट होना एक ऐतिहासिक स्पेल की शुरुआत थी। नबी ने अगली ही गेंद पर मनीष को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया जिससे उन्हें दो गेंदों में दो विकेट मिल गए और नोर्थ जोन की स्थिति मजबूत हो गई। इसके बाद उन्होंने दलीप ट्रॉफी में अपने पहले ही मैच में मुख्तार हुसैन को बोल्ड करके हैट्रिक पूरी की जिससे ईस्ट जोन का स्कोर 222/5 से घटकर सिर्फ तीन गेंदों में 222/8 हो गया।

नबी का खेल अभी खत्म नही हुआ था। अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर उन्होंने सूरज सिंधु जायसवाल का विकेट लिया और दलीप ट्रॉफी के इतिहास में दोहरी हैट्रिक चार गेंदों पर चार विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी और प्रथम श्रेणी

क्रिकेट में ऐसा करने वाले केवल चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए। वह यही नही रुके उन्होंने मोहम्मद शमी के रूप में अपना पांचवा विकेट पूरा किया। इस शानदार प्रदर्शन ने नॉर्थ जोन को 175 रनो की शानदार बढ़त दिला दी।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्री–फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे खिलाड़ी : बीसीसीआई

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने साफ कर दिया है कि सभी अनुबंधित खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार एकदिवसीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में प्री–फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे। रोहित के साथ शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, वाशिंगटन सुंदर, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर भी यो–यो टेस्ट देंगे। ये टेस्ट प्री–सीजन टेस्ट का हिस्सा हैं हालांकि विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट कब होगा। इसकी जानकारी नहीं मिली है। पूर्व . यह पहली बार है जब रोहित टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि केन्द्रीय अनुबंध में शामिल सभी खिलाड़ियों को प्री–सीजन फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। यह बोर्ड के दिशानिर्देशों के अनुसार जरुरी है। इस अधिकारी ने कहा, 'सभी खिलाड़ियों को प्री–सीजन फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा, ये टेस्ट सीओई को यह समझने में मदद करते हैं कि खिलाड़ियों को किन चीजों पर काम करने की जरूरत है या वे कहां कमी महसूस कर रहे हैं। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद एक बड़ा ब्रेक था। इसलिए खिलाड़ियों को घर पर फिट बने रहने के लिए एक्ससाइज सेट दिए गए थे।'

वैभव कबड्डी के मैदान में चौके छक्के लगाते हुए दिखे

विशाखापत्तनम ।उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी प्रो कबड्डी लीग के 12 सत्र की शुरुआत में पहुंचे। यहां वैभव ने बल्लेबाजी के साथ ही कबड्डी भी खेली। इस युवा बल्लेबाज के आते ही प्रशंसकों का उत्साह भी बढ़ गया। साथ ही कबड्डी खिलाड़ी भी उनसे मिलने के लिए उत्साहित दिखे। वैभव भी इस दौरान खुश नजर आ रहे थे पर असली मजा तो तब आया जब कबड्डी के मैदान में वैभव ने जमकर चौके, छक्के लगा दिये। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों के साथ कबड्डी भी खेली। इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है। इसमें वह कबड्डी के मैदान में चौके छक्के लगाते हुए नजर आए। इस वीडियो को प्रो कबड्डी के आधिकारिक अकाउंट से शेयर किया गय। वह इस दौरान कबड्डी के दांव पेच भी लगाते दिखे। इसमें वैभव सभी के आकर्षण का केन्द्र रहे। वैभव ने पूर्व प्रो कबड्डी खिलाड़ी प्रदीप नरवाल से भी मुलाकात की। नरवाल कबड्डी लीग इतिहास के सबसे सफल रेडर है। परदीप ने पीकेएल 2025 की नीलामी में किसी टीम के नहीं खरीदने पर कबड्डी को अलविदा कह दिया था। वैभव को आईपीएल के 2025 सीजन के लिए राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद 14 साल के इस खिलाड़ी ने आईपीएल 2025 के 7 मैचों में 252 रन बनाए। वैभव आईपीएल में केवल 35 गेंदों पर शतक लगाकर सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। आईपीएल खत्म होने के बाद वैभव ने इंग्लैंड में अंडर 19 क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन कर प्रभावित किया था।

बीसीसीसी का फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद ही एशिया कप के लिए उड़ान भर सकेंगे शुभमन

नई दिल्ली ।एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान बनाये गये शुभमन गिल को एशिया कप के लिए रवाना होने से पहले फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। भारतीय टीम 4 सितंबर को दुबई के लिए उड़ान भरेगी, मगर इससे पहले शुभमन को अपनी फिटनेस साबित करनी होगी। वह पिछले कुछ समय से बुखार के कारण दिलीप ट्रॉफी से भी बाहर हो गये हैं। ऐस में अब उन्हें एशिया कप के लिए बीसीसीआई का एक टेस्ट पास करना होगा। जिसके बाद ही वह दुबई जा सकेंगे। यह टेस्ट एशिया कप के लिए जाने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए जरुरी है। बोर्ड किसी भी खिलाड़ी को रियायत नहीं देना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंच गए हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि गिल का फिटनेस टेस्ट कब होगा, लेकिन संभवतः यह अगले कुछ दिनों में होगा। संभावना है कि गिल एशिया कप के लिए बेंगलुरु से सीधे यूएई जाएंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि गिल पिछले कुछ समय से बीमार होने के कारण चंडीगढ़ में आराम कर रहे थे, इसी वजह से उन्हें दलीप ट्रॉफी से भी बाहर होना पड़ा था। ठीक होने के बाद उन्होंने कुछ अभ्यास भी किया था। एशिया कप के लिए भारतीय टीम 4 सितंबर को दुबई पहुंचेगी। खिलाड़ी अपने–अपने स्थाने से उड़ान भरेंगे और दुबई में एकत्रित होंगे। माना जा रहा है कि टीम मैनेजमेंट ने पहला नेट सत्र 5 सितंबर को रखा है। हालांकि नेट अभ्यास के लिए स्थान अभी तय नहीं किया गया है पर संभावना है कि यह दुबई स्थित आईसीसी अकादमी में आयोजित किया जाएगा। भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सफल अभियान के दौरान यही अभ्यास किया था।

हीरो एशिया कप 2025 राजगीर: दूसरे दिन गोलों की बरसात और पूल-बी में उलटफेर

भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)। हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 का दूसरा दिन रोमांच से भरपूर रहा, जब पूल-बी के मुकाबले सुर्खियों में छा गए। दर्शकों ने दो यादगार मैच देखे – पहला जबरदस्त गोलों की बारिश वाला और दूसरा एक रोमांचक रणनीतिक जंग जो अंतिम क्षणों तक संघर्षपूर्ण रहा।

मैच 1: बांग्लादेश बनाम चीनी ताइपेई - दो हाफ़ की कहानी

बांग्लादेश ने चीनी ताइपेई पर 8-3 की शानदार जीत दर्ज की, लेकिन स्कोरलाइन पूरी कहानी नहीं बताती। हाफ-टाइम तक मुकाबला 2-2 पर बराबरी पर था और चीनी ताइपेई ने जबरदस्त जुझारूपन दिखाया। लेकिन दूसरे हाफ़ में बांग्लादेश ने आक्रामक खेल का तूफ़ान ला दिया और छह गोल दागकर टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत हासिल कर ली।

मैच 2: कोरिया बनाम मलेशिया - दिग्गजों पर मलेशिया की बढ़त

दिन का दूसरा मुकाबला पूल-बी की एक क्लासिक भिड़ंत थी, जिसमें कोरिया और मलेशिया आमने-सामने थे। हाफ-टाइम तक स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। लेकिन दूसरे हाफ़ में मलेशिया ने अपने मौक़ों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए तीन गोल दागे और 4-1 से बड़ी जीत दर्ज की। यह नतीजा पूल-बी की अंक तालिका के लिए अहम साबित हो सकता है, क्योंकि मलेशिया ने खुद को गंभीर दावेदार के रूप में पेश किया।

दिन 2 का सारांश

कुल 2 मैच

कुल 16 गोल

बांग्लादेश की गोल बारिश और मलेशिया की धमाकेदार जीत ने पूल-बी को हिला डाला।

कल का कार्यक्रम - रविवार, 31 अगस्त 2025 (पूल-ए की वापसी):

13:00 - मैच 07: चीन बनाम कज़ाख़स्तान

15:00 - मैच 08: जापान बनाम भारत

हीरो एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 अब और भी रोमांचक होता जा रहा है। कल मेज़बान भारत और जापान की टक्कर होगी, जो निस्संदेह टूर्नामेंट का एक ब्लॉकबस्टर मुकाबला साबित होगा।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे सात्विक–चिराग –भारत को एक पदक मिलना तय

पेरिस। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। सात्विक और चिराग ने पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक को 21–12, 21–19 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इस जीत के साथ ही अब भारत को एक पदक मिलना तय हो गया है। 43 मिनट तक चले मुकाबले में सात्विक और चिराग ने मलेशियाई जोड़ी को आसानी से हरा दिया। जीत के बाद चिराग ने कहा, बहुत अच्छा लग रहा है। यह ओलंपिक जैसा ही मुकाबला था और मुझे लगता है कि हमने तब इस जोड़ी से मिली हार का हिसाब बराबर कर लिया है। उन्होंने कहा, इस जोड़ी के खिलाफ खेलना हमेशा अच्छा लगता है। बड़े आयोजनों में हमारे बीच हमेशा कुछ कड़े मुकाबले होते रहे हैं। इसलिए जीत हासिल करने की हमें बहुत खुशी है। वहीं सात्विकसाईराज ने भी अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अपने प्रदर्शन पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा, दूसरे गेम में, जब हम आगे चल रहे थे तब भी मुझे पूरा भरोसा था कि हमें जीत के लिए काफी प्रयास करने होंगे क्योंकि विरोधी इतनी आसानी से हार नहीं मानेंगे। सात्विकसाईराज ने कहा, जब हमने गेम जीते तो मुकाबला कांटे का था पर हम बस अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलना चाहते थे। हमारा पूरा ध्यान अपने खेल पर था। आज हमने जिस तरह से खेला, उससे में उत्साहित हूं। सेमीफाइनल में चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त चेन बो यांग और लियू यी के खिलाफ होने वाले मैच को लेकर भारतीय जोड़ी ने कहा कि कहा कि वह इसे टूर्नामेंट के किसी भी अन्य मैच की तरह ही लेंगे। शेट्टी ने कहा, हमारा ध्यान हमेशा एक मैच पर है। चीनी जोड़ी अच्छी और मजबूत है। हम उनके खिलाफ पहले भी खेल चुके हैं। मैच का इंतजार है।

हॉकी : एशिया कप के लिए चीन रवाना हुई भारतीय महिला टीम

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम महिला एशिया कप के लिए शनिवार को चीन के हांग्जो रवाना हो गई। 20 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व सलीमा टेटे कर रही हैं। टेटे ने हॉकी विश्व कप 2026 में जगह पक्की करने के उद्देश्य से एशिया कप जीतने का लक्ष्य रखा है। सलीमा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए अगले साल होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप में जगह बनाने का अवसर है। हम इसी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हमारी पहली प्राथमिकता अपने पूल में शीर्ष पर रहना और सुपर फोर में पहुंचना है। वहां से, हम मैच दर मैच ट्रॉफी की ओर बढ़ेंगे।' 20 सदस्यीय टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। गोलकीपर बंसरी सोलंकी और बिचु देवी खारीबाम टीम में गहराई प्रदान करते हैं। रक्षा इकाई में निक्की प्रधान और उदिता जैसी अनुभवी खिलाड़ी हैं। इनका साथ युवा मनीषा चौहान, ज्योति, सुमन देवी थौदम और इशिका चौधरी देंगी। मिडफील्ड में नेहा, कप्तान सलीमा टेटे, लालरेम सियामी, शर्मिला देवी, सुनीता टोप्पो और वैष्णवी विट्ठल फाल्के जैसे मजबूत खिलाड़ी हैं। फॉरवर्ड में नवनीत कौर, संगीता कुमारी, मुमताज खान, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग और रुतजा दादासो पिसल हैं। भारत को पूल बी में रखा गया है। ग्रुप की अन्य टीमें जापान, थाईलैंड और सिंगापुर हैं। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 5 सितंबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगी। उसके बाद 6 सितंबर को जापान के खिलाफ और फिर 8 सितंबर को सिंगापुर के खिलाफ अपना अंतिम लीग मैच खेलेगी। भारत ने महिला एशिया कप दो बार जीता है, पहला 2004 में और फिर 2017 में। पिछले महिला एशिया कप में भारतीय टीम तीसरे नंबर पर रही थी। महिला एशिया कप 2025 का आयोजन चीन के हांग्जो शहर में 5 से 14 सितंबर तक होगा।

एशिया कप शुरू होने से पहले हुआ बड़ा बदलाव, अब इतने बजे खेलें जाएंगे मुकाबले

स्पोर्ट्स डेस्क ।एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होगी, और टूर्नामेंट की मेज़बानी अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम और दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम द्वारा की जाएगी। टूर्नामेंट का शेड्यूल पहले ही जारी किया जा चुका था, लेकिन अब एक अहम अपडेट सामने आया है।

समय में बदलाव– मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अब एशिया कप के मुकाबले भारतीय समयानुसार रात 8 बजे (स्थानीय समय 6:30 बजे) से शुरू होंगे। पहले यह मैच शाम 7:30 बजे निर्धारित थे, लेकिन यूएई में गर्मी और उमस को देखते हुए आयोजकों ने मैचों के समय को आधे घंटे बढ़ा दिया है। इस फैसले को ब्रॉडकास्टर्स ने भी स्वीकार कर लिया है।

यूएई के मौसम को लेकर लिया फैसला– यूएई का मौसम क्रिकेट मैचों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर गर्मी और उमस के कारण खिलाड़ियों और दर्शकों को मुश्किल हो सकती है। दिन के समय तापमान बेहद उच्च रहता है, जिससे शाम को भी गर्मी का असर बरकरार रहता है। आयोजकों ने यह फैसला लिया है कि मैचों को रात के समय आधा घंटा आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर खेल स्थितियां मिलें और दर्शकों को स्टेडियम में आरामदायक अनुभव हो।

टीम इंडिया का मैच शेड्यूल– भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा। इसके बाद 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगा। ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला भारत 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ खेलेगा। सुपर–4 के मुकाबले 20 सितंबर से शुरू होंगे, और टूर्नामेंट का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा।

बेंगलुरु भगदड़ का दर्द: आरसीबी ने जान गंवाने वाले 11 फैंस के परिवारों को दिए 25 लाख रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2025 सीज़न का खिताब जीतने के बाद बेंगलुरु में हुई भगदड़ ने विश्व क्रिकेट को स्तब्ध कर दिया। 11 लोगों की जान लेने और कई अन्य को घायल करने वाली इस भगदड़ ने प्रभावित सभी लोगों पर गहरा असर डाला। इस भगदड़ के लिए सीधे तौर पर ज़िम्मेदार ठहराई जा रही आरसीबी ने घटना के 84 दिनों बाद तक सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट नहीं किया और फिर आरसीबी केयर फंड की घोषणा की।

हालांकि, फ्रैंचाइज़ी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों के लिए 25 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। टीम ने कहा कि यह पीड़ितों के प्रति उनकी सहानुभूति है, न कि केवल वित्तीय सहायता। आरसीबी ने ट्वीट किया कि 4 जून, 2025 को हमारा दिल टूट गया। हमने आरसीबी परिवार के ग्यारह सदस्यों को खो दिया। वे हमारा हिस्सा थे। हमारे शहर, हमारे समुदाय और हमारी टीम को अद्वितीय बनाने वाली चीज़ों का हिस्सा। उनकी अनुपस्थिति हम सभी की यादों में हमेशा रहेगी।

बयान में आगे कहा गया कि उनके द्वारा छोड़ी गई जगह को कोई भी सहयोग कभी नहीं भर सकता। लेकिन पहले कदम के तौर पर, और गहरे सम्मान के साथ, आरसीबी ने उनके परिवारों को 25-25 लाख रुपये दिए हैं। सिर्फ़ आर्थिक मदद के तौर पर नहीं, बल्कि करुणा, एकता और निरंतर देखभाल के वादे के तौर पर। गौरतलब है कि आरसीबी केयर्स एक ऐसा कार्यक्रम होगा जो आगे चलकर पूरी तरह से सहायता प्रदान करने और प्रशंसकों की सहभागिता बढ़ाने पर केंद्रित होगा। भगदड़ पीड़ितों को वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए, आरसीबी ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है और वे प्रभावित सभी लोगों के लिए काम करना जारी रखेंगे।

फ्रैंचाइज़ी को उम्मीद होगी कि यह नई पहल उन्हें पटरी पर लाने में मदद करेगी, क्योंकि भगदड़ के दुष्परिणाम पहले ही उन पर पड़ चुके हैं। गौरतलब है कि इस टीम ने टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर 18 साल बाद पहली बार आईपीएल खिताब जीता था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चों को पढ़ाने के लिए अपनाएं ये 5 खास तरीके, जानें कैसे आने लगेंगे अच्छे मार्क्स

बच्चे को पढ़-लिखकर जीवन में आगे बढ़ते देखने का सपना हर माता-पिता का होता है। लेकिन कई बार पेरेंटिंग से जुड़ी कुछ लापरवाहियों की वजह से ये सपना हकीकत बनने से पीछे रह जाता है। अगर लाख कोशिशों के बावजूद आपका बच्चा पढ़ने में कमजोर हैं या उसे पढ़ा हुआ याद नहीं रहता, जिससे कक्षा में उसके अंक साथी बच्चों से हमेशा कम रह जाते हैं तो घर पर बच्चों को पढ़ाने के ये 5 खास तरीके आपकी परेशानी को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं बच्चों को पढ़ाते समय किन खास बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पढ़ने का समय और जगह रखें फिक्स

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पूरे फोकस के साथ मन लगाकर पढ़ने के लिए बैठे तो सबसे पहले उसके लिए पढ़ने का एक निश्चित समय और जगह तय कर लें। रोजाना एक समय और जगह पर पढ़ाई करने से बच्चे के दिमाग को यह मैसेज जाता है कि उसे इसी समय पर रोजाना पढ़ने के लिए बैठना है।

छोटे-छोटे ब्रेक हैं जरूरी

कई पेरेंट्स बच्चों को लगातार घंटों तक एक जगह बैठकर पढ़ने के लिए प्रेशर बनाते रहते हैं, ऐसी गलती ना करें। आपको यह समझना जरूरी है कि लगातार कई घंटे बैठकर पढ़ना बच्चों के लिए मुश्किल हो सकता है। बच्चों का अटेंशन स्पैन उम्र के साथ बढ़ता है। ऐसे में पढ़ाई के बीच बच्चों को छोटे-छोटे ब्रेक जरूर लेने दें।

स्कूल में हुआ काम घर पर दोहराएं

एक्सपर्ट की मानें तो जो बच्चे स्कूल में पढ़ाई गई चीजों को घर आकर वापस दोहराते हैं, उन्हें परीक्षा के समय पाठ याद करने में अधिक परेशानी और समय नहीं लगता है। जिससे उसे परीक्षा में अच्छे नंबर लाने में मदद मिलती है।

बच्चे के लिए मोटिवेशन भी है जरूरी

अगर आपका बच्चा कुछ अच्छा करता है तो उसकी प्रशंसा या उसे मोटिवेट जरूर करें। बच्चे की सराहना करने से उसका आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे उसकी परफॉर्मेंस और ज्यादा बेहतर बनती है।

वीकेंड्स पर लें टेस्ट

परीक्षा के लिए बच्चे को अच्छी तरह तैयार करने के लिए हर हफ्ते किसी भी एक दिन उसका टेस्ट जरूर लें। बच्चे ने पूरे हफ्ते जो कुछ पढ़ा है उसका टेस्ट लेने से बच्चे की प्रैक्टिस अच्छी हो जाती है, जिससे वह परीक्षा में अच्छे मार्क्स ला सकता है।

एक उम्र के बाद पिता से क्यों दूर होने लगते हैं बच्चे?

अक्सर देखा जाता है कि 12-13 साल के बाद बच्चे अपने पिता से दूरी बनाने लगते हैं। पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा का कहना है कि इसके पीछे एक ही कारण नहीं होता, बल्कि कई छोटी-छोटी बातें मिलकर पिता और बच्चे के बीच की दूरी को जन्म देती हैं।

किशोरावस्था वह दौर है जब बच्चा ना तो पूरी तरह छोटा रहता है, ना ही पूरी तरह बड़ा बन पाता है। यह समय उसके लिए खुद को पहचानने, अपनी सोच बनाने और दुनिया को अपने नजरिए से देखने का होता है। इस उम्र में बच्चे ज्यादा सेंसिटिव होते हैं और अपने आस-पास के रिश्तों को गहराई से महसूस करते हैं। खासकर पिता के साथ उनका रिश्ता इस समय बड़ी तेजी से बदल सकता है। कई बार ये बदलाव पॉजिटिव भी होता है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि 12-13 साल के बाद बच्चे अपने पिता से दूरी बनाने लगते हैं। पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा का कहना है कि इसके पीछे एक ही कारण नहीं होता, बल्कि कई छोटी-छोटी बातें मिलकर पिता और बच्चे के बीच की दूरी को जन्म देती हैं। चलिए जानते हैं ये बातें क्या हैं-

मौजूद रहना ही काफी नहीं

अक्सर कई फादर्स को ये लगता है कि अगर वे घर में हैं, तो अपने बच्चे के पास ही हैं। लेकिन घर में मौजूद रहने और वास्तव में बच्चे के पास होने में फर्क है। अगर पिता घर पर होते हुए भी अपना ज्यादातर समय किसी कोने में, टीवी या फोन में बिताते हैं, तो बच्चा ये महसूस कर लेता है कि उसकी जिंदगी में उनका इमोशनल कनेक्शन कमजोर है। बच्चों को परफेक्ट पिता की नहीं, बल्कि एक ऐसे इंसान की जरूरत होती है जो उनके साथ समय बिताए, उनकी बातें सुनें और उनकी छोटी-छोटी खुशियों में शामिल हो।

सिर्फ नियम नहीं, भरोसा भी जरूरी

लड़के अक्सर अपनी ताकत और क्षमता को परखना चाहते हैं, जबकि लड़कियां यह जानना चाहती हैं कि वे कितनी अहम हैं। अगर पिता का रिश्ता बच्चों से सिर्फ नियम लागू करने और डांटने तक सीमित रह जाए, तो भरोसा और अपनापन खत्म होने लगता है। इस स्थिति में बच्चे अपनी बात शेयर करना छोड़ देते हैं और दोस्तों या सोशल मीडिया में वो अटेंशन या वैलिडेशन खोजने लगते हैं जो उन्हें घर में नहीं मिल रही होती।

ग्रेड से ज्यादा जरूरी है बच्चे को समझना

पुष्पा शर्मा के अनुसार, बच्चों से अक्सर यह सुनने को मिलता है कि पापा को सिर्फ ग्रेड और रूल्स की परवाह थी। यह सोच इस वजह से बनती है क्योंकि कुछ पिता बच्चों को इंसान के रूप में देखने से ज्यादा उन्हें एक प्रोजेक्ट की तरह ट्रीट करते हैं, जहां सिर्फ बच्चे का रिजल्ट और डिसिप्लिन मायने रखता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा आपके करीब

रहे, तो उसे कंट्रोल करने के बजाय उसके इमोशंस को समझें और पेशेंस के साथ पेरेंटिंग करें।

इंतजार हमेशा काम नहीं आता

कुछ पिता सोचते हैं कि अभी सख्त रहेंगे और बच्चे बड़े हो जाने पर उनसे दोस्ती कर लेंगे। लेकिन हकीकत यह है कि बच्चे इतने लंबे समय तक इंतजार नहीं करते। अगर 12 साल तक आपने उनसे जुड़ाव नहीं बनाया, तो हाई स्कूल या कॉलेज के समय अचानक से करीब आना मुश्किल हो जाता है। तब तक वे यह तय कर चुके होते हैं कि कौन उनकी सुनता है और कौन नहीं, कौन उन्हें सुरक्षित महसूस कराता है और कौन नहीं। पेरेंटिंग कोच के मुताबिक इस एज आते-आते धीरे-धीरे पिता और बच्चे के बीच में एक दूरी मेंटेन हो जाती है, जिसे काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है।

न्यूबॉर्न बेबी के सामने क्यों नहीं लगाना चाहिए परफ्यूम

ज्यादातर लोग अपने शरीर की गंध से छुटकारा पाने और हमेशा महकता रहने के लिए परफ्यूम या फिर डियोड्रेंट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप इसे अपने न्यूबॉर्न बेबी के सामने भी लगाकर चले जाते हैं? अगर हां तो जानिए आपको ऐसा करने से क्यों बचना चाहिए।

खुशबूदार रहने के लिए और शरीर की गंध से छुटकारा पाने के लिए ज्यादातर लोग परफ्यूम या फिर डियोड्रेंट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप अपने न्यूबॉर्न बेबी के सामने भी इसे लगाकर जाते हैं? अगर हां, तो आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। दरअसल, न्यूबॉर्न बेबी को एक्सट्रा केयर की जरूरत होती है। कहते हैं कि शुरुआत के दिनों में बच्चा काफी नाजुक होता है और इस समय पर उसे सबसे ज्यादा देखरेख करनी चाहिए। न्यूबॉर्न एक्सपर्ट और मदरहुड हमायिल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए ये बताया है कि बच्चे के सामने परफ्यूम लगाने से क्यों बचना चाहिए।

नाक होती है सेंसेटिव

बच्चों के सूंघने की शक्ति बहुत तेज होती है। कहते हैं कि जब बच्चा जन्म लेता है तो बेबी को धुंधला दिखाई देता है और वह खुशबू से लोगों को पहचानता है। आपकी खुशबू से ही बच्चा सुरक्षित महसूस करने और आपके साथ जुड़ाव बनाने में मदद करता है। लेकिन परफ्यूम की तेज खुशबू आपके बेबी को जरूरत से ज्यादा उत्तेजित या परेशान कर सकती हैं, जिससे वह चिड़चिड़ा हो सकता है।

फेफड़ों की समस्या

कई खुशबू में एलर्जी पैदा करने वाले तत्व होते हैं जो खांसी, छींक या सांस लेने की समस्या पैदा कर सकते हैं। खासकर उन बच्चों में जिन्हें अस्थमा, एलर्जी या एक्जिमा है।

स्किन के लिए समस्या

- बच्चे लगातार अपने हाथ मुंह में डालते रहते हैं। ऐसे में अगर किसी ने परफ्यूम लगाया है और वह बच्चे को गोद में लेता है तो तो उसकी स्किन या कपड़ों की खुशबू बेबी तक पहुंच सकती है।

नींद में खलल

परफ्यूम की तेज खुशबू बच्चे के दिमाग को भ्रमित कर सकती है और उनके शांत होने या गहरी नींद लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। खासकर सोते समय, खुशबू का इस्तेमाल कम से कम करना सबसे अच्छा है।

डिस्क्लेमर- यह आर्टिकल केवल सूचनात्मक उद्देश्यों के लिए है और पेशेवर चिकित्सा सलाह का विकल्प नहीं है। किसी चिकित्सीय स्थिति के बारे में किसी भी सवाल के लिए हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह लें।

बच्चे को सुबह स्कूल जाने के पहले ब्रेकफास्ट में क्या खिलाएं, क्या कहते हैं बच्चों के डॉक्टर

बच्चे स्कूल जाते वक्त अक्सर ब्रेकफास्ट ना करने की जिद करते हैं। वहीं पैरेंट्स लेकर ग्रैंड पैरेंट्स तक बच्चों को जबरदस्ती कुछ ना कुछ खिला देते हैं। अगर बच्चा हेल्दी ब्रेकफास्ट नहीं खा रहा तो चिप्स, चॉकलेट जैसी चीजों को ही खाने देते हैं। उनका कहना होता है कि बच्चा खाली पेट स्कूल ना जाए। लेकिन क्या ये सही है? इस बारे में बच्चों के डॉक्टर और एक्सपर्ट की राय अलग रहती है। जानें बच्चों को सुबह-सुबह स्कूल जाने के पहले क्या खिलाना चाहिए।

बच्चों को कुछ भी ना खिलाएं

इंस्टाग्राम पर पीडियाट्रिशन डॉक्टर राहुल ने सलाह दी है कि सुबह-सुबह बच्चों को क्या खिलाकर स्कूल भेजना चाहिए। उनका कहना है कि बच्चों को सुबह स्कूल जाने के पहले कुछ भी नहीं खाने को देना चाहिए। ज्यादातर बच्चे सुबह खाना नहीं चाहते। दरअसल, बच्चों को सुबह सोकर उठने के दो घंटे तक भूख नहीं लगती। ऐसे में उसे जबरदस्ती कुछ भी ना खिलाएं। अगर बच्चा खाने के लिए मांग रहा तो जरूर खिलाएं लेकिन बच्चा नहीं खाना चाहता तो फोर्सफुली ना खिलाएं। हो सकता है बच्चा रास्ते में या बस में उल्टी कर दे। या उसका मन खराब होने लगे।

बच्चे को टिफिन में दें ये चीजें

बच्चे के टिफिन में सब्जी और रोटी रखने के साथ ही दो तरीके फल दें। जिससे बच्चे को जब भी भूख लगे वो फ्रूट को खा लें। कई बार बच्चे को रास्ते में भूख लगती या स्कूल पहुंचकर भूख लगती है तो वो फ्रूट आसानी से खा लेगा। लेकिन ब्रेकफास्ट में जबरदस्ती कुछ ना खिलाएं। बच्चे के बैग में खाने की चीजों को रख दें। जब उसको भूख लगेगी वो खुद से खा लेगा।

इन खाने की चीजों को बिल्कुल ना दें

बच्चे को सुबह स्कूल जाने के पहले दूध, ब्रेड, चाय, टोस्ट, बिस्कुट, ड्राई फ्रूट्स, चिप्स जैसी चीजों को खाने के लिए जबरदस्ती बिल्कुल ना दें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में 62 लाख फर्जी मतदाता, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा का बड़ा दावा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात प्रदेश कांग्रेस ने राज्य में मतदान में धांधली का गंभीर आरोप लगाते हुए एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने दावा किया है कि गुजरात की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ हुई है जिसमें लगभग 62 लाख फर्जी मतदाता शामिल हैं। सत्यापन के दौरान खासकर नवसारी लोकसभा और चोर्यासी विधानसभा क्षेत्रों में 30000 फर्जी मतदाता पकड़े गए। इस खुलासे के बाद कांग्रेस ने पूरे राज्य में मतदाता अधिकार अभियान शुरू करने की घोषणा की है। गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि किस तरह गुजरात में वोट चोरी हो रही है और गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और नवसारी से भाजपा सांसद सीआर पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र में कुछ फर्जी वोट डाले गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि 182 विधानसभा क्षेत्रों में इस पद्धति से मतदान कराया गया था लगभग 62 लाख वोट चोरी हुए। अमित चावड़ा ने कहा लोकतंत्र की नींव और देश का संविधान हमें वोट देने का अधिकार देता है। लोकतंत्र इस समय खतरे में दिख रहा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने वोट चोरी का पर्दाफाश किया है। गुजराती इस बात से चिंतित हैं कि कहीं असली मतदाताओं की संख्या से ज़्यादा तो नहीं बढ़ गई है, नकली मतदाताओं की संख्या। लोकतंत्र एक व्यक्ति, एक वोट का अधिकार देता है। कांग्रेस की टीम द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद पता चला कि मतदाता सूची में गड़बड़ी है। जब पूरे गुजरात की मतदाता सूची की जाँच की गई तो कई खुलासे हुए। गुजरात में एक व्यक्ति एक से ज़्यादा बार वोट देता है। ऐसे चोरों के कारण लोकतंत्र को ख़त्म करने की साज़िश चल रही है। चोर्यासी विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 6 लाख है, जिनमें से 2.40 मतदाताओं की जाँच की गई, जिनमें से 30 हज़ार मतदाता फर्जी पाए गए। यह वोट चोरी देश में कैबिनेट मंत्री की ज़िम्मेदारी संभाल रहे एक नेता की मौजूदगी में हो रही है। चोर्यासी विधानसभा में भाजपा नेता संदीप देसाई विधायक हैं। इस विधानसभा में 12 प्रतिशत मतदाता फर्जी हैं। यदि जांच की जाए तो इस विधानसभा में 75,000 मतदाता फर्जी हो सकते हैं। अमित चावड़ा ने कहा कि मतदाता सूची में छेड़छाड़ के पाँच तरीके हैं। इनमें पूरी तरह से गलत मतदाता, मतदाता की स्पेलिंग में छेड़छाड़, एक व्यक्ति के तीन-चार मतदाता पहचान पत्र, पते में बदलाव और मतदाता सूची में भाषा से छेड़छाड़ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पूरे गुजरात में मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 6 लाख है। अगर इन पाँच तरीकों को इस्तेमाल किया जाए तो एक चुनाव में 62.31 लाख वोट चोरी हुए हैं। अगर बड़े-बड़े नेताओं के इलाकों में ऐसे घोटाले हो रहे हैं, तो इसका मतलब है कि चौकीदार चोर है। अगर यह व्यवस्था 182 विधानसभा क्षेत्रों में लागू है, तो 62 लाख वोटों की चोरी हो रही है। चुनावों में मतदान में धांधली करके लोकतंत्र को नष्ट किया जा रहा है। गुजरात कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा ने कहा कि हम 2027 तक गुजरात के सभी मतदाताओं से

मिलेंगे और इन वोट चोरों को बेनकाब करेंगे। कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह राज्य के हर गांव में जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेगी और 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदान में गड़बड़ी को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग को एक प्रस्ताव सौंपेगी। कल दोपहर तीन बजे कलेक्टर कार्यालय के सामने होने वाले विरोध प्रदर्शन में प्रदेश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे और इस अभियान को और तेज किया जाएगा।

राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करें : ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधिनिर्माताओं से राष्ट्रहित के मुद्दों पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने विधानमंडलों की बैठकों की संख्या में कमी और विधायी निकायों में सदस्यों के अमर्यादित आचरण पर क्षोभ व्यक्त किया। भुवनेश्वर, ओडिशा में संसद और राज्य विधानमंडलों की अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समितियों के सभापतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए, बिरला ने कहा कि विधानमंडलों में चर्चा-संवाद का स्तर कम होना चिंता का विषय है। बिरला ने कल्याणकारी योजनाओं को समाज के वंचित वर्गों तक सही मायने में पहुँचाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकारी धन के प्रभावी उपयोग और सुदृढ़ निगरानी तंत्र की आवश्यकता पर बल दिया और समावेशी विकास को गति देने में वित्तीय अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य वंचित वर्गों के उत्थान के उद्देश्य से सामाजिक कल्याण पहलों के लिए हर साल पर्याप्त संसाधन आवंटित किए जाते हैं। समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, बिरला ने कहा कि समितियां संसदीय लोकतंत्र का मुख्य आधार हैं। सदन में चर्चा पर हावी होने वाली राजनीतिक बाध्यताओं के विपरीत, समितियाँ दलगत राजनीति से ऊपर उठाकर मुद्दों की विस्तार से जाँच करती हैं और आम सहमति पर आधारित सिफ़ारिशें करती हैं।

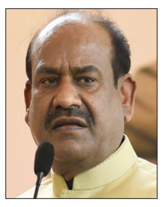

जम्मू-कश्मीर में एकनाथ शिंदे के लगे होर्डिंग्स, लोग पूछ रहे इनका यहां क्या काम

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के अमूमन होर्डिंग्स दिखाई देते हैं। लेकिन इस बार इनसे ज्यादा महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के होर्डिंग्स दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में श्रीनगर एयरपोर्ट के पास एक होटल में आयोजित बैठक में करीब 700 लोग शामिल हुए, जिसकी अध्यक्षता खुद महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने की। शिवसेना के स्थानीय नेता याक़ूब कुलगाम के रहने वाले हैं और पहले पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी यानी पीडीपी में थे। उन्होंने बताया कि बैठक से पहले एक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, हमने बहुत सारे होर्डिंग्स लगाए ताकि लोग जान सकें कि शिवसेना कश्मीर में आ गई है। इन होर्डिंग्स के लिए हमने कोई भुगतान नहीं किया। हमारा मकसद था कि लोग इन्हें देखें और चर्चा करें।याक़ूब ने कहा कि एकनाथ शिंदे अक्सर घाटी का दौरा करते रहते हैं और यहां पार्टी को मजबूत करने के लिए गंभीर हैं। उन्होंने दावा किया कि, पहले शिवसेना को लेकर कश्मीर में कई भ्रांतियां थीं, लेकिन शिंदे जी के लगातार दौरों के कारण लोग अब पार्टी को सकारात्मक नजरिए से देखने लगे हैं। जून 2023 में शिंदे ने श्रीनगर में शिवसेना के 15 राज्यों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। यह महाराष्ट्र से बाहर शिवसेना की पहली बड़ी बैठक थी। नवंबर 2023 में शिंदे ने एलओसी के नजदीक कुपवाड़ा में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया था।

स्पाइसजेट फ्लाइट केबिन प्रेशर में आई गिरावट, इमरजेंसी लैंडिंग कराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से श्रीनगर आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-385 को श्रीनगर एयरपोर्ट पर लैंडिंग करानी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के मुताबिक फ्लाइट केबिन प्रेशर में अचानक गिरावट आने से तेजी से नीचे आने लगी, जिसके बाद पायलट ने एयरपोर्ट से तुरंत प्रायोरिटी लैंडिंग की अनुमति मांगी। फ्लाइट को सुरक्षित उतारा गया। इस फ्लाइट में कुल 205 यात्री थे, जिनमें 4 बच्चे भी थे, साथ ही 7 क्रू मेंबर भी सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि केबिन प्रेशर की समस्या के चलते यह कदम उठाया गया। हालांकि, किसी यात्री या क्रू मेंबर ने कोई चिकित्सा सहायता लेने की जरुरत नहीं जताई। फ्लाइट का निरीक्षण किया जाएगा। स्पाइसजेट ने इस घटना पर बयान जारी करते हुए कहा कि फ्लाइट एसजी-385 के अप्रोच के दौरान केबिन एल्टीट्यूड वॉर्निंग मिली थी। इसके बाद विमान कुछ देर के लिए तेजी से नीचे आया। क्रू ने सभी जांचें कीं और पायलट ने सुरक्षा कारणों से प्रायोरिटी लैंडिंग की अनुमति मांगी। फ्लाइट सुरक्षित श्रीनगर एयरपोर्ट पर उतरी और सभी यात्री एवं क्रू मेंबर को सामान्य स्थिति में बाहर निकाला गया। केबिन एल्टीट्यूड वॉर्निंग तब जारी होती है जब विमान के केबिन के अंदर हवा का दबाव कम हो जाता है। इस चेतावनी के बाद विमान में ऑक्सीजन मास्क स्वत: गिर जाते हैं और पायलट को तुरंत विमान को नीचे ले जाकर लैंडिंग करनी होती है ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आंतकियों का समंदर चाचा उर्फ बागू खान मुठभेड़ में मारा गया....घुसपैठ करने में माहिर

अमृतसर (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)।सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में हुई मुठभेड़ के दौरान लंबे समय से वांटेड आतंकी बागू खान उर्फ समंदर चाचा को मार गिराया। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीआके) में 1995 से सक्रिय बागू खान को आतंकी गिरोहों में 'ह्यूमन जीपीएस' बताया जाता था। रक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, बागू बीते तीन दशकों में 100 से अधिक घुसपैठ प्रयासों को अंजाम देने में शामिल रहा। गुरेज सेक्टर की दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और गुप्त रास्तों की बागू को गहरी जानकारी के चलते, उसके नेतृत्व में अधिकांश घुसपैठ के प्रयास सफल रहे। इसकारण वह हर आतंकी संगठन के लिए खास महत्व रखता था। बागू मूल रूप से हिजबुल कमांडर था, लेकिन बागू ने लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद सहित सभी आतंकी संगठनों को गुरेज और आसपास के इलाकों से घुसपैठ करने में मदद की। बागू को नैशेरा से घुसपैठ की कोशिश के दौरान सुरक्षाबलों ने ढेर किया। मुठभेड़ में एक अन्य आतंकी भी मारा गया। सूत्रों ने बताया कि वर्षों तक सुरक्षा बलों की निगरानी से बचता रहा बागू आखिरकार ताजा अभियान में सेना के द्वारा मारा गया। बागू की मौत को आतंकी संगठनों की लॉजिस्टिक और घुसपैठ नेटवर्क पर बड़ा झटका बताया जा रहा है। सेना के अधिकारियों का कहना है कि उसकी मौत से एलओसी के हिस्से में आतंकी गतिविधियों की योजना पर असर होगा। यह मुठभेड़ उस कार्रवाई के बाद हुई है, जिसमें भारतीय सेना ने गुरेज सेक्टर में दो घुसपैठियों को मार गिराया था। फिलहाल सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों को देखकर इलाके में सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी जारी है और कई इलाकों में गोलीबारी की घटनाएं सामने आई हैं।

सपा नेता और पूर्व नगर अध्यक्ष के भतीजे पर ताबड़तोड़ फायरिंग

हापुड (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में सपा नेता और पूर्व नगर अध्यक्ष के भतीजे मनशाद पर कुछ बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है, इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह घटना नवादा अंडरपास के पास हुई थी।

बात दें कि पीड़ित मनशाद, जो सपा नेता और पूर्व नगर अध्यक्ष याद इलाही कुरैशी के भतीजे हैं। नवादा अंडरपास के पास बाइक पर सवार चार बदमाशों ने फायरिंग की। उन्हें पेट और जांघ में तीन गोलियां लगी हैं। परिवार ने बताया है कि यह हमला कपड़े के व्यापार से जुड़े किसी विवाद के कारण हो सकता है। मनशाद की हालत गंभीर है और उन्हें मेरठ के अस्पताल में रेफर किया गया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है। यह पूरी घटना मनशाद के दोस्त जमालुद्दीन के सामने हुई थी, जो तब उनके साथ बाइक पर थे। फायरिंग की आवाज सुनकर स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल को अस्पताल पहुंचाया। एएसपी विनीत भटनागर और सीओ अनिता सिंह ने भी घटनास्थल का दौरा किया है।

राजनीति नहीं, अब पेंशन को लेकर पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ फिर चर्चा में

-पूर्व विधायक के नाते दिया आवेदन, हर माह मिलेगी 42 हजार पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वह राजनीति को

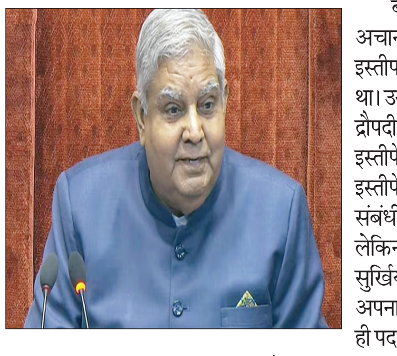

लेकर नहीं, बल्कि पेंशन को लेकर हैं। राजस्थान विधानसभा में पूर्व विधायक के नाते उन्होंने पेंशन के लिए आधिकारिक तौर पर आवेदन दिया है। धनखड़ 1993 में अजमेर जिले की किशनगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे।

मीडिया रिपोर्ट में विधानसभा सचिवालय के मुताबिक पूर्व उपराष्ट्रपति को मासिक 42,000 रुपए पेंशन मिलने की पात्रता है। राजस्थान में यह व्यवस्था है कि कोई व्यक्ति अगर विधायक और सांसद दोनों रह चुका हो, तो वह दोनों पदों की अलग-अलग पेंशन ले सकता है। कई पूर्व जनप्रतिनिधि इस दोहरी पेंशन व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इसकी पुष्टि की है कि जगदीप धनखड़ का पेंशन फॉर्म सचिवालय को मिला है और आगे की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।

बता दें धनखड़ ने हाल ही में अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया था। उन्होंने 21 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपने इस्तीफे की जानकारी दी थी। इस्तीफे का कारण उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बताया था। लेकिन उनका यह फैसला तब सुर्खियों में आया जब उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही पद छोड़ दिया।

धनखड़ के इस्तीफे के बाद विपक्ष ने सवाल उठाने शुरू कर दिए। वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने तंज कसते हुए कहा कि अब तक तो 'लापता लेडीज़' सुना था, लेकिन ये पहली बार है जब 'लापता वाइस प्रेसिडेंट' की कहानी सुनने को मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि जब उन्होंने धनखड़ के निजी सचिव से संपर्क किया, तो उन्हें यह बताया गया कि वह आराम कर रहे हैं। इसके बाद से न कोई आधिकारिक बयान आया और न ही उनकी लोकेशन का पता चल सका।

राहुल-तेजस्वी की यात्रा में शामिल नहीं हुई ममता, अब भेज रहीं दो नेता

-वोटर अधिकार यात्रा में सीएम स्टालिन और रेड्डी कर चुके हैं शिरकत

पटना (एजेंसी)। बिहार में वोटर लिस्ट को संशोधित करने के लिए चुनाव आयोग ने एसआईआर अभियान चलाया। विपक्षी दलों का आरोप है कि इसके जरिए कई वैलिड वोटर्स के नाम हटाने का काम किया गया। चुनाव आयोग ने इस पर सख्त आपत्ति जताते हुए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। ये सब घटनाक्रम ऐसे वक?त में हुआ, जब बिहार में विधानसभा चुनाव होना है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, आरजेडी नेता तेजस?वी यादव समेत विपक्ष के तमाम नेता 'वोट चोरी' जैसा गंभीर आरोप लगा रहे हैं। इन सबके बीच, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने की कवायद के तहत राहुल और तेजस?वी की अगुआई में बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाली जा रही है। इस यात्रा में तमिलनाडु के सीएम एमके स?टालिन और तेलंगान के सीएम रेवंत रेड्डी जैसे नेताओं ने शिरकत की। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी इस यात्रा का हिस्सा बने लेकिन विपक्षी गुट की धाकड़ नेता और पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी इस यात्रा से दूरी बनाए हुए हैं।

बता दें ममता बनर्जी विपक्ष की ताकतवर नेता हैं, ऐसे में वोटर अधिकार यात्रा में उनका शिरकत न करना कई तरह के सवाल खड़े कर रहा है। हालांकि, अब यह खबर सामने आई है कि सीएम ममता ने इस यात्रा में टीएमसी का प्रतिनिधित?व करने के लिए दो नेताओं को नामित किया है। इनमें यूसुफ पठान और ललितेश त्रिपाठी हैं। यूसुफ पठान बहरामपुर सीट से सांसद हैं, वहीं ललितेश त्रिपाठी टीएमसी की नेशनल वर्किंग कमेटी के सदस्य हैं। अब ये दोनों नेता वोटर अधिकार यात्रा में ममता बनर्जी की पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दिलचस्प बात यह है कि पश्चिम बंगाल में भी वोटर लिस्ट को अपडेट करने की कोशिश की जा रही है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता ने कोलकाता की रैली में बीजेपी, चुनाव आयोग और वामपंथी दलों पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है, जबकि उसका अधिकार क्षेत्र केवल चुनाव के दौरान तीन महीने का है। ममता बनर्जी ने बंगाल की जनता से आह्वान किया कि अगर कोई सर्वे करने आए तो कोई जानकारी न दें। अपना आधार कार्ड तैयार रखें। दरअसल, पश्चिम बंगाल में भी अगले साल 2026 में विधानसभा चुनाव होना हैं।

प्रदेश में टीएमसी का बीजेपी से सीधा मुकाबला है। बंगाल की सीएम भी चुनाव आयोग पर लगातार आरोप लगाती रही हैं। बिहार में राहुल गांधी और तेजस?वी यादव की

वोटर अधिकार यात्रा में इंडिया ब्लॉक के एक और दिग्गज नेता ने हिस्सा लिया। अब अखिलेश यादव की भी इस यात्रा में एंट्री हो चुकी है। चुनाव आयोग की ओर से कथित तौर पर 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने के विरोध में शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा अब अंतिम चरण में है। बता दें राहुल गांधी और तेजस?वी यादव की अगुआई में निकाली जा रही इस यात्रा को विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है और इसे लोगों का समर्थन भी मिल रहा है। यात्रा का भव्य स्वागत हो रहा है।

तेजस्वी के बिहार के सीएम बनने पर...बहन रोहिणी का अजीबोगरीब बयान

पटना ।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में शनिवार को राजद अध्यक्ष लालू यादव की पुत्री रोहिणी आचार्या भी शामिल हुई हैं। इस बीच, उन्होंने इंडिया ब्लॉक में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर अजीबोगरीब बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अभी शादी नहीं है, सुहागरात किसके साथ मनाया जाएगा, इसकी आप सभी को चिंता है। उन्होंने कहा कि जो जरूरी है, वहीं पहले होगा। दरअसल, उन्होंने कहा कि अभी मतदाताओं के अधिकार की लड़ाई लड़ी जा रही है। अभी शादी की बात ही नहीं चल रही है और सुहागरात किसके साथ मनाया जाएगा, उसकी चर्चा हो रही है। जो ज्यादा ज़रूरी है, उसकी बात नहीं होगी। इस दौरान, उन्होंने नीतीश कुमार की सरकार पर तेजस्वी यादव की घोषणाओं को नकल करके लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता एनडीए को जवाब देगी। उन्होंने कहा कि आज उन्हें नौकरी और रोजगार दिखाई पड़ने लगे हैं, पहले कहां थे? इन लोगों ने बिहार में एक सुई की फैक्ट्री भी नहीं लगाई है। उन्होंने कहा कि सारण में जो कुछ भी है, वह लालू और तेजस्वी यादव का किया हुआ है। प्रधानमंत्री हर बार चुनाव में बोलकर जाते हैं, लेकिन कुछ होता नहीं है। जब तेजस्वी ने घोषणाएं की, तब ये लोग उसी का कॉपी-पेस्ट कर योजना लागू कर रहे हैं। रोहिणी ने पिछले लोकसभा चुनाव में सारण से राजद की टिकट पर चुनाव लड़ी थीं। हालांकि, उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। उन्हें भाजपा के प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी ने पराजित किया था। रोहिणी आचार्या ने कहा कि इस चुनाव में भाजपा का सफाया तय है।

जम्मू कश्मीर में बादल फटने से 5 और भूस्खलन से एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में शनिवार भारी बारिश और भूस्खलन से कुल 10 लोगों की मौत हो गई। रामबन में बादल फटने से 5 की मौत हुई है। इसी तरह रियासी में हुए भूस्खलन से एक मकान ढह गया जिसमें एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। महोर क्षेत्र के एक घर पर अचानक भूस्खलन हुआ जिससे मकान ढह गया और पूरा परिवार मलबे में दब गया। अधिकारियों के अनुसार, परिवार के सातों सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। शवों को मलबे से निकालने में तीन से चार घंटे लग गए।महोर के एसडीपीओ वकार यूनुस ने बताया कि घटना तड़के करीब 3 बजे हुई। बादल फटने से तेज बारिश और मलबे का बहाव हुआ, जिसके चलते घर धराशायी हो गया। उन्होंने कहा, पूरा परिवार मलबे में दब गया था। बचाव अभियान के बाद सुबह सभी शव बरामद कर लिए गए। जम्मू-कश्मीर में रामबन जिले के एक सुदूर गांव में बादल फटने से 5 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित पर्वतीय क्षेत्र राजगढ़ में शनिवार सुबह

बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। अधिकारियों ने बताया कि बचावकर्मियों को दो महिलाओं समेत तीन लोगों के शव मिले हैं।

जम्मू जोन में 46 ट्रेन रद्द

उत्तर रेलवे ने 30 अगस्त को जम्मू, कटरा और उधमपुर रेलवे स्टेशनों से आने-जाने वाली 46 ट्रेन को रद्द करने की शुक्रवार को घोषणा की। मंगलवार को जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद पिछले चार दिन से रेल यातायात स्थगित है। एक अधिकारी ने बताया कि जम्मू में कई स्थानों पर रेल लाइन के टूटने के कारण कठुआ और उधमपुर के बीच रेल यातायात स्थगित कर दिया गया है तथा ट्रेनें रद्द की जा रही हैं। इससे पहले, उत्तर रेलवे ने जम्मू, कटरा और उधमपुर रेलवे स्टेशनों से आने-जाने वाली 40 ट्रेनों को 29 अगस्त को रद्द करने की घोषणा की थी।

इसरो और जापान के साथ आने से मून मिशन को मिलेगी गति, जल्द हो सकेगा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और जापान ने मिलकर मून मिशन को आगे बढ़ाने के लिए समझौता किया है। दोनों देशों ने चंद्रयान-5 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भेजने के लिए एक समझौते पर साइन किए हैं। इसरो और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जाक्सा) के बीच यह पैक्ट साइन किया गया है जिसमें। जाक्सा के उपाध्यक्ष मातसुरा मायुमी और जापान में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज शामिल थे। जापान की यात्रा के दौरान द योमिउरी शिंबुन को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'मुझे खुशी है कि भारत और जापान चंद्रयान श्रृंखला के अगले संस्करण या लूपेक्स (चंद्र ध्रुवीय अन्वेषण) मिशन के लिए हाथ मिला रहे हैं। इससे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्रों के बारे में हमारी समझ और गहरी होगी।' प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि भारत और जापान की वैज्ञानिक टीम अंतरिक्ष विज्ञान की

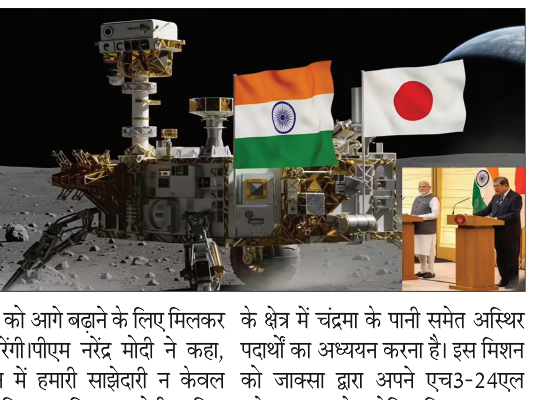

सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगी।पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 'अंतरिक्ष में हमारी साझेदारी न केवल हमारे क्षितिज का विस्तार करेगी, बल्कि हमारे आसपास के जीवन को भी बेहतर बनाएगी।' उन्होंने कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा देश के वैज्ञानिकों के दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और नवाचार की कहानी है। चंद्रयान-5 मिशन का उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में स्थायी रूप से छायांकित क्षेत्र (पीएसआर) के आसपास के क्षेत्र में चंद्रमा के पानी समेत अस्थिर पदार्थों का अध्ययन करना है। इस मिशन को जाक्सा द्वारा अपने एच3-24एल प्रक्षेपण यान से प्रक्षेपित किया जाएगा, जिसमें इसरो निर्मित चंद्र लैंडर होगा, जो जापान निर्मित चंद्र रोवर को ले जाएगा। इसरो, चंद्र लैंडर के विकास के अलावा, चंद्र ध्रुवीय क्षेत्र में मौजूद वाष्पशील पदार्थों के अन्वेषण और यथास्थान विश्लेषण के लिए मिशन के लिए कुछ वैज्ञानिक उपकरण विकसित करेगा।

बिहार में 58 फीसदी लोगों ने माना एसआईआर सही, 17 फीसदी पक्ष में नहीं

- विपक्ष इस प्रक्रिया को लेकर लगातार चुनाव आयोग पर कर रहा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में ज्यादातर लोगों का मानना है कि बिहार में चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट का विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) चुनाव प्रक्रिया को तय करने के लिए किया जा रहा है। एक सर्वे में 58 फीसदी लोगों का मानना है कि ये संशोधन चुनाव आयोग द्वारा नागरिकों के मतदान को सुनिश्चित करने के लिए किया गया। हालांकि सर्वे में 17 फीसदी लोगों ने कहा कि ये प्रक्रिया सत्तारूढ़ पार्टी को मदद करने के लिए किया गया है। वहीं 12 फीसदी लोगों ने इस संशोधन के प्रक्रिया के समय को संदिग्ध माना।

यह सर्वे 1 जुलाई से 14 अगस्त 2025 तक किया गया। इसमें 54,788 लोगों से सभी लोकसभा क्षेत्रों में राय ली गई। इसके अलावा नियमित डेटा से 1,52,038 इंटरव्यू का विश्लेषण किया गया। यानि कुल 2,06,826 लोगों की राय को इस रिपोर्ट में शामिल किया गया। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव आयोग ने अभी मतदान के लिए तारीखों का ऐलान नहीं किया है। विपक्ष एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार चुनाव आयोग पर हमला कर रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने लोगों को वोट चोरी के खिलाफ जागरूक करने के लिए वोट चोरी यात्रा निकाली है। दोनों नेता प्रदेश भर में यात्रा कर रहे हैं और वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहे हैं। राहुल गांधी ने यात्रा के दौरान कहा था कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक की तरह बिहार में वोट चोरी नहीं होने देंगे।

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया एसआईआर एक अभियान है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह से अपेडट और सही बनाना है। यह पहल जून 2025 में शुरू हुई, ताकि राज्य के हर योग्य नागरिक का नाम वोटर लिस्ट में शामिल हो सके और अयोग्य लोगों के नाम काटे जा सकें।

इस अभियान के तहत बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर सर्वे करता है। इस सर्वे में मतदाताओं के दस्तावेजों की पुष्टि, मृतकों के नाम हटाना, मकान बदलने की जानकारी लेना, दोहरी एंट्री और विदेशी नागरिकता जैसे मुद्दों की छानबीन की जाती है। अब तक 8 करोड़ से ज्यादा पात्र मतदाताओं के नाम की फिर से पुष्टि की जा चुकी है और संशोधित ड्राफ्ट की सूची प्रकाशित की गई है। चुनाव आयोग का दावा है कि अब तक लगभग 98 फीसदी मतदाताओं के दस्तावेज जमा हो चुके हैं।

इस बार चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और सूचियों की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों के बूथ

एजेंट भी लगाए गए हैं, ताकि हर चरण पर उनकी भागीदारी हो। इस समन्वित प्रयास से बिहार की मतदाता सूची ज्यादा विश्वसनीय और अपडेटेड होगी, जिससे निष्पक्ष और प्रभावी चुनाव सुनिश्चित हो सके।

संक्षिप्त समाचार

सांसदों की वेतन बढ़ोतरी के खिलाफ 20 हजार छात्रों का प्रदर्शन

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशियाई संसद सदस्यों के वेतन-भत्तों में बढ़ोतरी के खिलाफ राजधानी जकार्ता में इन दिनों हजारों छात्र सड़कों पर हैं, जिनकी तादाद करीब 20 हजार है। प्रदर्शनरत छात्र संसद भवन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे में पुलिस ने पानी की बौछार की और कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे। इससे कई छात्र घायल हो गए।

ब्राजील में आपराधिक नेटवर्क से जुटी 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर की संपत्ति जब्त

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को देशभर में चलाए गए एक बड़े अभियान के तहत 1.2 अरब रियाल (करीब 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई ईंधन क्षेत्र और निवेश फंड्स के जरिये चलाए जा रहे एक विशाल मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क से जुड़ी हुई थी। अधिकारियों ने 14 जगहों पर तलाशी और जब्ती वारंट तथा 14 गिरफ्तारी वारंट जारी किए, जिनमें से पांच लोगों को हिरासत में लिया गया। न्याय मंत्री रिकार्डो लेवानडोव्स्की ने इसे देश के इतिहास में संगठित अपराध के खिलाफ सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक बताया। हालांकि, संघीय अधिकारियों ने किसी भी व्यक्ति या कंपनी का नाम नहीं बताया, क्योंकि जांच अभी गुप्त और जारी है। लेकिन साओ पाउलो के अभियोजकों ने कहा कि यह नेटवर्क ब्राजील के कुख्यात आपराधिक गिरोह फर्स्ट कैपिटल कमांड से जुड़ा हुआ है।

म्यांमार में केएनयू आतंकवादी संगठन घोषित

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की सैन्य सरकार ने बृहस्पतिवार को आधिकारिक तौर पर करेन नेशनल यूनियन (केएनयू) को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया। यह संगठन देश का एक बड़ा जातीय विद्रोही समूह है। अब इसके साथ किसी भी तरह की गतिविधि करना, यहां तक कि तीसरे पक्ष द्वारा संपर्क करना भी गैरकानूनी होगा। करेन नेशनल यूनियन देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में सक्रिय है और 1948 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता मिलने के बाद से लगातार अधिक स्वायत्तता के लिए लड़ाई लड़ रहा है। फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार को अपदस्थ कर सेना ने सत्ता अपने हाथ में ले ली थी। तभी से केएनयू और सेना के बीच लगातार और तीखी लड़ाई हो रही है। यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब महज चार महीने बाद 28 दिसंबर से सेना-नियोजित चुनाव होने हैं। केएनयू पहले ही एलान कर चुका है कि वह इन चुनावों को बाधित करेगा। अब आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद इसके लिए किसी भी तरह की गतिविधि करना, चाहे वह सिर्फ प्रचार या जानकारी फैलाने का शांतिपूर्ण तरीका ही क्यों न हो, गैरकानूनी हो गया है।

ट्रंप प्रशासन ने सैन्य अड्डे से आव्रजन अभियान में मदद मांगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने इस हफ्ते शिकागो के बाहर स्थित एक सैन्य अड्डे से आव्रजन अभियान में सहयोग मांगा है। यह कदम इस बात का संकेत देता है कि देश के तीसरे सबसे बड़े शहर में कड़ी कार्रवाई कैसी दिख सकती है। नेवल स्टेशन ग्रेट लेक्स के प्रवक्ता मैट मोगल ने बुधवार को बताया कि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने बेस से सीमित सहयोग की मांग की है, जिसमें सुविधाएं, ढांचा और अन्य लॉजिस्टिक मदद शामिल है। यह अड्डा शिकागो से करीब 56 किलोमीटर (35 मील) उत्तर में स्थित है। यह अनुरोध उस समय आया है, जब रिपब्लिकन प्रशासन ने कुछ हफ्ते पहले वाशिंगटन डीसी में अपराध, इमिग्रेशन और बेघर लोगों की समस्या से निपटने के लिए नेशनल गार्ड की तैनाती की थी। दो महीने पहले इसी तरह सैनिकों को लॉस एंजिलिस भेजा गया था। हालांकि शिकागो के लिए प्रशासन की योजनाओं के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन शहर के नेता कई संभावनाओं के लिए तैयार हो रहे हैं- जैसे सैनिकों को इमिग्रेशन गिरफ्तारी में लगाना या फिर सड़कों पर गश्त कराना आदि। पुलिस अधीक्षक लैरी स्नेलिंग ने कहा, हम नहीं चाहते कि किसी तरह का डर फैलाया जाए।

रूस ने यूक्रेन पर दागीं 31 मिसाइलें और 598 ड्रोन

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने पूरे देश में 598 ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 31 मिसाइलें दागीं। कीव शहर प्रशासन के प्रमुख तैमूर त्काचेंको ने बताया कि मृतकों में तीन नाबालिग शामिल हैं। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि बचाव दल मलबे में दबे लोगों को निकालने का प्रयास कर रहा है। त्काचेंको ने कहा कि रूस ने वायु रक्षा प्रणाली को चकमा देने में सक्षम ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

हमले पर दुनियाभर के लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद-जेलेंस्की : यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, रूस बातचीत की मेज के बजाय बैलिस्टिक हथियारों को चुनता है। हम दुनिया के उन सभी लोगों से प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं जिन्होंने शांति की अपील की थी, लेकिन सैद्धांतिक रुख अपनाने के बजाय अक्सर चुप रहते हैं।

दो मीडिया संस्थानों के कार्यालय पर भी हमले : कीव में यूरोपीय संघ मिशन, एक ब्रिटिश सरकार के सांस्कृतिक भवन के साथ-साथ दो मीडिया संस्थानों के कार्यालय भी रूसी हमले में क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रूस की इस हरकत पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। एएफपी के पत्रकारों ने बचावकर्मियों को रिहायशी इलाकों और अपार्टमेंट ब्लॉक से कई मृतकों के शरीर को बैग में भरकर ले जाते देखा, जब वे सुलगते मलबे में खोजबीन अभियान चला रहे थे।

चारों ओर उड़ रहे थे कांच : एक हमले के पास पार्किंग में मौजूद गैलिना शचरबक ने एएफपी को बताया, हमले के बाद चारों ओर काँच उड़ रहे थे... बम फटने पर हम चीख रहे थे। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि मॉस्को ने 629 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। कीव द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, यह युद्ध का दूसरा सबसे बड़ा हमला है।

563 ड्रोन और 26 मिसाइलें रोकने का दावा : यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान में कहा कि रूस ने रात भर में 598 लड़ाकू और जासूसी ड्रोन भेजे और 31 मिसाइलें भी दागी। यूक्रेनी एयर डिफेंस ने इनमें से 563 ड्रोन और 26 मिसाइलों को रोक लिया। ये 13 स्थानों पर जमीन से टकराईं और 26 स्थानों पर इनका मलबा गिरा। कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख तैमूर तकाचेंको के अनुसार, मारे गए लोगों में 17 और 14 साल के दो बच्चे भी शामिल हैं।

किंजल हाइपरसोनिक एरोबैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि रूस ने हमारे शहरों और समुदायों के खिलाफ एक और बड़ा हमला किया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि की है और कहा है कि रूसी सेना ने यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक उद्यमों और हवाई अड्डों पर जोरदार हमले को अंजाम दिया है। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, इस हमले में लंबी दूरी से सटीक निशाना लगाने वाले हवाई हथियार, किंजल हाइपरसोनिक एरोबैलिस्टिक मिसाइलें और लड़ाकू ड्रोन शामिल थे। मंत्रालय ने कहा, हमलावर अभियान सफल रहा और इसने अपने लक्ष्यों को हासिल किया।

ट्रंप की मुहिम को झटका : यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी मिसाइलों और ड्रोनों ने राजधानी कीव में अपार्टमेंट ब्लॉकों को तहस-नहस कर दिया, जिसमें चार बच्चों सहित कम से कम 23 लोग मारे गए। ये हमले ऐसे वक्त पर हुए हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर से लेकर शांति समझौते तक की बातचीत की कोशिशों में जुटे हैं। इससे पहले अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि ऐसे हमले शांति प्रयासों को कमजोर कर सकते हैं।

सीमा से जुड़े भूमि बंदरगाहों को बंद करने पर आया बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने गुरुवार को जनता का पैसा बचाने के नाम पर तीन भूमि बंदरगाहों को बंद करने का फैसला लिया है। इसके अलावा एक और बंदरगाह, जिसका निर्माण कार्य चल रहा था उसे भी रोक दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन बंदरगाहों पर कोई भी व्यापारिक गतिविधि नहीं हो रही थी, इसलिए खर्च में कटौती करने के लिए और करदाताओं पर से बोझ कम करने के लिए इन्हें बंद करने का फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि यह भूमि बंदरगाह भारत की सीमा पर स्थित हैं। मई और जून में भारत ने बांग्लादेश को दी जाने वाली ट्रांस शिपमेंट सेवा को निरस्त कर दिया था और व्यापार के लिए केवल कोलकाता और मुंबई के बंदरगाह का इस्तेमाल करने के लिए कहा था।

यूनुस सरकार के मुख्य प्रेस सलाहकार शफीकुल आलम ने कहा कि बंदरगाहों को बंद करने का यह निर्णय प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में लिया गया।

बंद किए जाने वाले बंदरगाहों में नीलफामारी में चिलाहाटी बंदरगाह शामिल है, जो कि पश्चिम बंगाल के हल्दीबाड़ी से जुडा हुआ है। इसके अलावा चुआडांगा में दौलतगंज भूमि बंदरगाह है, जो पश्चिम बंगाल के मझदिया से जुडा है। इसके अलावा रंगमती में तेगामुख भूमि बंदरगाह है जो मिजोरम के देमागरी से जुड़ा हुआ है।

बांग्लादेश सरकार के मुताबिक इसके अलावा त्रिपुरा के खोवाई से जुड़े हबीगंज में बल्ला भूमि बंदरगाह पर का भी संचालन बंद कर दिया गया है। इस बंदरगाह पर अभी भारत की तरफ से काम पूरा नहीं किया गया है। आलम ने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों के राजनेता कभी-कबी राजनीतिक कारणों से इन बंदरगाहों को खोलने और संचालित करने का दबाव डालते हैं लेकिन वास्तव में इन सुविधाओं के माध्यम से कोई व्यापार नहीं हुआ है और इनसे सरकार की लागत बढ़ रही है। गौरतलब है कि यह चाल भूमि बंदरगाह उन आठ बंदरगाहों में शामिल हैं, जिन्हें बांग्लादेश ने निष्क्रिय घोषित कर दिया है।

आपको बता दें बांग्लादेश की तरफ से जिन भूमि बंदरगाहों को बंद करने का ऐलान किया गया है। वहां से मुख्य रूप से भारत के साथ व्यापार करने की उम्मीद थी। चूकि भारत ने मई और जून में बांग्लादेश को मिलने वाली ट्रांस शिपमेंट फैसेलिटी पर प्रतिबंध लगा दिया तो ऐसी स्थिति में इन बंदरगाहों के लिए स्थिति और विकट हो गई।

मैक्सिको की सीनेट में विपक्षी नेता-सीनेट अध्यक्ष में हाथापाई, मोरेनो बोले- मैं तुझे मार डालूंगा

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको की सीनेट में बुधवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब एक जोरदार बहस के बाद विपक्षी नेता ने सीनेट अध्यक्ष को पकड़कर धक्का-मुक्की शुरू कर दी। यह सब उस वक्त हुआ, जब सीनेट की कार्यवाही खत्म होने के बाद सांसद राष्ट्रगान गा रहे थे। यह नजारा इतना हैरान करने वाला था कि लाइव स्ट्रीम में पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे सीनेट में कुर्सियां छोड़कर मुक्के चलने लगे।

विपक्षी इंस्टीट्यूशनल रिवॉल्यूशनरी पार्टी (पीआरआई) के नेता अलेजांद्रो अलिटो मोरेनो ने सत्तारूढ़ मोरेना पार्टी के सीनेट अध्यक्ष गेरार्डो फर्नांडीज नोरोना पर हमला बोल दिया। मोरेनो बार-बार कह रहे थे, मुझे बोलने दो और उन्होंने नोरोना का हाथ पकड़ लिया। नोरोना ने जवाब में कहा, मुझे छूना मत, लेकिन बात यहीं नहीं रुकी। दोनों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। हंगामा एक चर्चा के बाद शुरू हुआ। इसमें मैक्सिको में विदेशी सशस्त्र बलों की मौजूदगी पर तीखी चर्चा हुई थी। नोरोना के मुताबिक, मोरेनो ने कहा, मैं तुझे मार डालूंगा। इस दौरान एक और सांसद ने भी नोरोना पर मुक्का चलाने की कोशिश की।

अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हूं- उपराष्ट्रपति जेडी वेंस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अपने फैसलों की वजह से दुनिया भर के देशों की सुर्खियों में बने हुए हैं। ऐसे में उनके पद पर रहने या न रहने को लेकर भी दुनिया बड़े गौर से देख रही है। उनकी सेहत को लेकर भी तमाम तरह की अटकलें लगाई जाती रहती हैं। हालांकि वाइट हाउस और ट्रंप परिवार की तरफ से उनकी सेहत को बिल्कुल सही बताया जाता है। इस सब के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में कहा है कि अगर कोई भयानक त्रासदी घटित होती है, तो वह राष्ट्रपति पद संभालने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बात को भी दोहराया कि ट्रंप का स्वास्थ्य बेहतर है।

यूएस टुडे को दिए इंटरव्यू में जेडी वेंस ट्रंप के स्वास्थ्य और अपने राष्ट्रपति पद को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति अच्छी स्थिति में हैं, वह अपना शेष कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिका को महान बनाने के अपने काम में लगे रहेंगे।

जेडी ने आगे कहा, भगवान न करे, कोई ऐसी भयानक घटना होती है, तो मैं पिछले 200 दिनों से ट्रंप के अंडर ट्रेनिंग ले रहा हूं, तो मैं राष्ट्रपति पद संभालने के लिए भी तैयार हूं।

गौरतलब है कि वेंस की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बार-बार ट्रंप के स्वास्थ्य को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

हाल ही में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ मुलाकात के दौरान ट्रंप के हाथ पर चोट के निशान देखे गए थे। हालांकि वाइट हाउस से जब इस चोट के बारे में जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने बताया कि बार-बार हाथ मिलाने और एस्पिरिन का इस्तेमाल करने की वजह से यह चोट लगी है।

गाजा में भूख से मर रहे महिलाएं और बच्चे- सिंडी मैक्केन

गाजा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी की प्रमुख ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस हफ्ते गाजा दौरे के दौरान यह साफ दिखा कि वहां खाने-पीने की चीजें पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर उन्होंने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की और ज्यादा मानवीय मदद पहुंचाने की तात्कालिक जरूरत पर जोर दिया। दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य संकट निगरानी संस्था ने पिछले हफ्ते कहा था कि गाजा पट्टी का सबसे बड़ा शहर भुखमरी की चपेट में है और अगर युद्धविराम तथा राहत सामग्री पर लगी रोक नहीं हटाई गई, तो यह पूरे इलाके में फैल सकती है। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की कार्यकारी निदेशक सिंडी मैक्केन ने कहा कि गाजा में भुखमरी जारी है। उन्होंने कहा, मैंने खुद गाजा में माताओं और बच्चों से मुलाकात की जो भूख से मर रहे हैं। यह सच्चाई है और यह अभी हो रहा है। मैक्केन ने बताया कि पीएम नेतन्याहू स्पष्ट तौर पर चिंतित थे कि लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा।

अमेरिकी राजनयिक ने लेबनानी पत्रकारों से मांगी माफी, संवाददाता सम्मेलन में की थी अपमानजनक टिप्पणी

बेरूत, एजेंसी। अमेरिकी राजनयिक टॉम बैरक ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को लेबनानी पत्रकारों से माफी मांगी। उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों को चुप कराने की कोशिश करते हुए उनकी तुलना जानवरों से की थी।

तुर्किये में अमेरिकी राजदूत और सीरिया में अमेरिकी दूत बैरक, जो लेबनान में एक अस्थायी कार्यभार भी संभाल रहे हैं, ने कहा कि उनका इरादा अपमानजनक तरीके से इस शब्द का इस्तेमाल करने का नहीं था। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि उनकी टिप्पणी अनुचित थी।

बीते मंगलवार को बेरूत पहुंचे थे बैरक

दरअसल, बीते मंगलवार को बैरक अमेरिकी अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बेरूत पहुंचे थे।

यहां उन्होंने लेबनानी सरकार से आतंकवादी समूह हिजबुल्ला को निशस्त्र करने और इस्राइल-हिजबुल्ला युद्ध के बाद हुए संघर्षविराम समझौते के क्रियान्वयन पर चर्चा की।

पत्रकारों ने बैरक को मंच पर आने के लिए कहा था

राष्ट्रपति भवन में संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में पत्रकारों ने बैरक से चिल्लाकर कहा कि वह मंच पर आएं, क्योंकि बैरक ने कमरे में किसी दूसरी जगह से बोलना शुरू किया था। जैसे ही बैरक मंच पर पहुंचे, उन्होंने पत्रकारों से कहा, सभ्य, दयालु और सहनशील बनें। उन्होंने धमकी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह सम्मेलन बीच में ही खत्म कर देंगे। बैरक ने कहा, जिस क्षण यह अराजकता, पशुवत होने लगेगी, हम यहां से चले जाएंगे।

राष्ट्रपति भवन ने भी बैरक की टिप्पणी पर जताया खेद

बैरक की इस टिप्पणी का भारी विरोध हुआ। लेबनान प्रेस संगठन ने माफी की मांग की और कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो बैरक के कार्यक्रमों का बहिष्कार किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन ने भी एक बयान जारी कर बैरक की टिप्पणी पर खेद जताया और पत्रकारों की कड़ी मेहनत की सराहना की।

मुझे खुद और ज्यादा सहनशील होना चाहिए था

बैरक ने एक्स प्लेटफॉर्म पर मीडिया कर्मी मारियो नवाफल के साथ साक्षात्कार में कहा कि पशुवत शब्द मैंने अपमानजनक रूप से नहीं कहा था, मैं सिर्फ कहना चाहता था कि माहौल शांत हो, सहनशीलता और दयालुता हो, सब सभ्य बने। लेकिन मीडिया तो अपना काम कर रहा था, ऐसे में यह कहना अनुचित था। उन्होंने आगे कहा, मुझे खुद और ज्यादा सहनशील होना चाहिए था और पत्रकारों को समय देना चाहिए था।

ईशनिंदा आरोप का सामना कर रही कैंसर पीड़ित महिला की जमानत खारिज, विवादित तस्वीर पोस्ट करने का मामला

रबात, एजेंसी। मोरक्को की एक अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता इब्तिसाम लचगर की जमानत याचिका खारिज कर दी है। लचगर पर ईशनिंदा करने के आरोप हैं। गौरतलब है कि लचगर कैंसर की समस्या से जूझ रही हैं और सितंबर में उनकी सर्जरी होनी है। इसके बावजूद मोरक्को की अदालत ने नारीवादी कार्यकर्ता को जमानत पर रिहा करने से इनकार कर दिया। इब्तिसाम लचगर का मामला इन दिनों मोरक्को समेत पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इब्तिसाम लचगर के वकील ने बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान उन्हें स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर रिहा करने की मांग की थी, लेकिन राजधानी रबात की अदालत ने अपील ठुकरा दी और लचगर को रिहा करने से इनकार कर दिया। लचगर पर एक विवादित टिप्पणी वाली टीशर्ट पहनकर अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का आरोप है। मोरक्को में राजशाही और इस्लाम का अपमान करने की सख्त मनाही और इसे लेकर वहां लंबे समय से कठोर कानून हैं।

लचगर की वकील नईमा एलगुलाफ ने बताया कि लचगर कैंसर से जूझ रही हैं और जेल में उन्हें जरूरी देखभाल नहीं मिल पा रही है। वकील ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि लचगर की सितंबर में सर्जरी होनी है। सर्जरी में तय किया जाना है कि क्या लचगर अभी भी अपने कृत्रिम हाथ के साथ जी सकती हैं या फिर उसे हटाना पड़ेगा। जेल में लचगर की हालत लगातार बिगड़ रही है। लचगर इस्लाम धर्म के खिलाफ काफी मुखर रही हैं और कई बार विवादों में फंस चुकी हैं।

फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर के नुकसान की आशंका, एलीगेटर अलकाट्राज को बंद करने का आदेश

ऑरलैंडो, एजेंसी। फ्लोरिडा के करदाताओं को 218 मिलियन डॉलर का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बुधवार (स्थानीय समयानुसार) देर रात एक जज ने एलीगेटर अल्काट्राज के संचालन को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का आदेश देते हुए अपने फैसले को बरकरार रखा। यह राज्य के एवरग्लेड्स में स्थित है और इसे हवाई प्रशिक्षण अड्डे से इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में बदला गया था। इस केंद्र को एलीगेटर अल्काट्राज नाम दिया गया था। अब यह केंद्र जल्द ही पूरी तरह से खाली हो सकता है।

राज्य द्वारा अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, फिलहाल इस केंद्र को बंद करने में ही फ्लोरिडा को 15 से 20 मिलियन डॉलर का खर्च आएगा। अगर इसे दोबारा चालू करने की अनुमति मिली तो फिर से संरचनाओं को स्थापित करने पर 15 से 20 मिलियन डॉलर और खर्च होंगे। एक राज्य अधिकारी ने अदालती दस्तावेजों में कहा कि फ्लोरिडा आपातकालीन प्रबंधन विभाग को 218 मिलियन डॉलर का अधिकांश निवेश खोना पड़ेगा। सिर्फ कुछ ही दिनों में बने इस केंद्र में बड़े सफेद टेंटों के चारों तरफ जंजीरों से बंधे पिंजरे हैं, जिनके चारों ओर चारपाई बिस्तरों की कतारें लगी हुई हैं।

इस केंद्र के निर्माण-संचालन के लिए दिए गए हैं 405 मिलियन डॉलर के ठेके : एपी के हवाले से आई पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लोरिडा ने इस सुविधा के निर्माण और संचालन के लिए कम से कम 405 मिलियन डॉलर के ठेके दिए हैं। अधिकारियों ने शुरू में अनुमान लगाया था कि इसे चलाने में हर साल 450 मिलियन डॉलर लगेंगे। जुलाई के अंत तक ही राज्य 245 मिलियन डॉलर इस केंद्र पर खर्च कर चुका था। यह सुविधा 1 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस केंद्र का दौरा किया था और कहा था कि यह पूरे देश में भविष्य के हिरासत केंद्रों का मॉडल हो सकता है।

कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा केंद्र : लेकिन शुरुआत से ही यहां गंदगी, अस्वच्छ हालात और बंदियों को कानूनी मदद से वंचित रखने जैसी शिकायतें आती रही हैं। यह केंद्र कई कानूनी चुनौतियों का सामना कर रहा है। बुधवार को अमेरिकी जिला न्यायाधीश कैथलीन विलियम्स ने अपना आदेश दोहराया कि केंद्र को बंद किया जाए, क्योंकि राज्य और संघीय एजेंसियों ने इस क्षेत्र की संवेदनशील आद्रभूमि में डिटेंशन सेंटर बनाने से पहले जरूरी पर्यावरण समीक्षा नहीं की। जज ने संचालन बंद करने के अपने आदेश को स्थगित करने के अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया।

होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा आदेश से बाधित होंगी योजनाएं : मियामी के न्यायाधीश ने कहा कि यहां बंदियों की संख्या पहले ही घट रही है और इससे संघीय सरकार के आव्रजन प्रवर्तन लक्ष्यों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, होमलैंड सुरक्षा विभाग के वकीलों का कहना है कि आदेश से उनकी योजनाएं बाधित होंगी। विभाग ने सिर्फ इतना कहा कि वह अदालत के आदेश का पालन कर रहा है और बंदियों को अन्य केंद्रों में शिफ्ट किया जा रहा है। हालांकि होमलैंड सुरक्षा विभाग ने यह नहीं बताया कि पिछले हफ्ते जज के अस्थायी निषेधाज्ञा के बाद से कितने बंदी बचे हैं और कितने बाहर निकाले गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

कांग्रेस कार्यालय पर बीजेपी कार्यकर्ताओं का डंडों से हमला

राहुल गांधी के पुतले को जलाकर लातें मारीं, बैनर फाड़े और झंडे तोड़े

झड़प रोकने पुलिस भी मैदान में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बिहार में कांग्रेस के एक नेता द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने सूरत में उग्र प्रदर्शन किया। इस घटना के विरोध में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन कर नारे लगाए।

सूरत के नानपुरा इलाके में स्थित कांग्रेस कार्यालय के बाहर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बीजेपी के कई कार्यकर्ता और नेता इकट्ठा हुए। उन्होंने कांग्रेस द्वारा की गई इस टिप्पणी को 'विकृत और हल्की मानसिकता' का परिचायक बताया और इसकी कड़ी निंदा की। प्रदर्शन के दौरान बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए।

बीजेपी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के आमने-सामने आ जाने से कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया और झड़प जैसी स्थिति बन गई। हालांकि, पुलिस ने हालात को काबू में ले लिए और कोई अप्रिय घटना नहीं घटी। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया और कांग्रेस से इस मामले में स्पष्टीकरण और माफी की मांग की।

बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस कार्यालय पर डंडों से हमला करने जैसे दृश्य सामने आए हैं। जिसके चलते कांग्रेस कार्यालय पर लगे बैनर फाड़ दिए गए और वहां लगे कांग्रेस के झंडों को भी तोड़ डाला गया। यह विरोध प्रदर्शन राजनीतिक गर्माहट को और बढ़ा रहा है और दोनों दलों के बीच तनाव तेज हो गया है।

गणेशोत्सव में मायानगरी को टक्कर देता हीरानगरी सूरत

सोना-चांदी के गहनों से सजे धनी गणेशजी आकर्षण का केंद्र

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गणेशोत्सव में मुंबई पूरे देश और दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र रहती है। ऊंची-ऊंची मूर्तियां, लाइटिंग, भव्य सजावट, ढोल-नगाड़ों के साथ धूमधाम से उत्सव मनाया जाता है। खासकर मुंबई के 'लालबाग का राजा' के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ते हैं। लेकिन गुजरात के सूरत शहर में भी इस बार मायानगरी मुंबई को टक्कर देता हुआ गणेशोत्सव आयोजित हो रहा है।

सूरत में इस वर्ष 80 हजार से अधिक श्रीजी की मूर्तियों की स्थापना की गई है, जिन पर करोड़ों रुपये का खर्च आगमन से लेकर विसर्जन तक किया जाएगा।

सूरत में श्रीजी के लिए बहुत बड़े पंडाल और 35 फुट तक की विशाल मूर्तियों की स्थापना की गई है। गुजरात के सबसे धनी गणेशजी भी सूरत में विराजमान हुए हैं। वहीं दूसरी ओर सुवर्ण महल गणपति, पटाया के कैंडी पार्क जैसी विभिन्न थीम पर पंडाल तैयार किए गए हैं।

इसके अलावा, एक ग्रुप द्वारा खासतौर पर मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर से अखंड ज्योत सूरत लायी गई है, ताकि सूरतवासी भी सिद्धिविनायक का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें। यह ज्योत सूरत के लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

रिच प्रेज़ेंट्स हॉस्पिटैलिटी होराइज़न अवॉर्ड्स 2025 बेकिंग और कन्फेक्शनरी में श्रेष्ठ का सम्मान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुंबई शहर के अंधेरी ईस्ट स्थित नोवोटेल एयरपोर्ट में आयोजित रिच प्रेज़ेंट्स हॉस्पिटैलिटी होराइज़न बेकरी, पैटिसरी और चॉकलेट अवॉर्ड्स 2025 एक भव्य उत्सव की शाम का गवाह बना। इस कार्यक्रम का आयोजन रिच प्रोडक्ट्स द्वारा प्रस्तुत और उद्योग जगत की अग्रणी पत्रिका हॉस्पिटैलिटी होराइज़न द्वारा किया गया।

इस अवसर पर रिच प्रोडक्ट्स इंडिया, MENA और तुर्की के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री पंकज चतुर्वेदी ने कहा -"रिच में हम हमेशा बेकरी और पैटिसरी समुदाय को विश्व-स्तरीय सामग्री और समाधान के साथ सशक्त बनाने में विश्वास रखते हैं। ये अवॉर्ड्स भारत की बेकिंग इंडस्ट्री को आगे बढ़ा रहे अद्भुत, प्रतिभावान, रचनात्मक और जुनूनी लोगों का सम्मान है। हम उन अग्रदूतों का गौरवपूर्वक सम्मान करते हैं जो उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित कर रहे हैं।"

बेकरी, पेस्ट्री और चॉकलेट की दुनिया में श्रेष्ठता और इनोवेशन का सम्मान करने के लिए इस अवॉर्ड नाइट में कई प्रख्यात शेफ और उद्योग के दिग्गज मौजूद रहे। शेफ अजय चोपड़ा, राखी वासवानी, संजना पटेल, शेफ विनेश जोनी, रोहित सांगवान, तेजस्वी चंदेला, ज़ेबा कोहली सहित अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों की मौजूदगी ने इस शाम को प्रतिभा, रचनात्मकता और कारीगरी का असली उत्सव बना दिया।

इस अवॉर्ड नाइट की मुख्य विशेषता थी - भारत की टॉप 10 चेन बेकरीज़ और टॉप 10 स्टैंडअलोन बेकरीज़ का सम्मान। इन ब्रांड्स और उद्यमियों ने गुणवत्ता, इनोवेशन और ग्राहक अनुभव में नए मानक स्थापित किए हैं।

यह अवॉर्ड नाइट न केवल इस उद्योग के अग्रणियों का सम्मान करने का अवसर बनी, बल्कि शेफ्स, चॉकलेटियर्स और बेकरी उद्यमियों के लिए एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म भी बनी, जहाँ वे विचारों का आदान-प्रदान कर सके और लगातार विकसित हो रहे बेकरी व कन्फेक्शनरी क्षेत्र में नए इनोवेशन को प्रेरित कर सके।

विजेताओं की सूची इस प्रकार रही

पश्चिम क्षेत्र: रिबन्स एंड बलून्स, हैंगआउट, ओ केक्स, मेरवान, अतुल बेकरी
उत्तर क्षेत्र: ब्राउन शुगर, मैक्सिम, डोनाल्ड पेस्ट्री शॉप, बेकिंगो
दक्षिण क्षेत्र: जस्ट बेक्स, स्विस कैसल, कैफे निलोफर, केक स्क्वायर
पूर्व क्षेत्र: गो कूल, डैनब्रो, डो ऐज़ यू लाइक, क्रीम्ज़

बैग से सोने की सिल्लियां चुराई गईं

सूरत के महिधरपुरा में रिक्शे से 32.74 लाख का सोना चुराने वाली हरियाणा की गैंग पकड़ी गई, दो महिलाओं समेत पांच गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के महिधरपुरा इलाके में रिक्शे में बैठे एक युवक के हैंडबैग से 32.74 लाख रुपये की 4 सोने की सिल्लियों की चोरी करने वाली हरियाणा की अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश हुआ है। सूरत शहर क्राइम ब्रांच ने दो महिलाओं सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और महिधरपुरा थाने में दर्ज चोरी के मामले को सुलझा लिया है।

क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के अनुसार, 22 अगस्त को एक युवक बैंक से 320.370 ग्राम वजन की 4 सोने की सिल्लियां (कुल मूल्य 32.74 लाख) लेकर अपने हैंडबैग में रखकर रिक्शे से वराछा से भागल चार रास्ता जा रहा था।

इस दौरान रिक्शे में बैठी दो अजनबी महिलाओं ने उसकी नजर बचाकर बैग से सोने की सिल्लियां निकाल लीं और फरार हो गईं। इस मामले में महिधरपुरा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। चोरी की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच की टीम जांच में जुटी।

मिली गुप्त सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने हरियाणा की इस गैंग के 5 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनके नाम हैं : शरीफ अहमद रमजान फकीर (40 वर्ष)
संजय रामपाल चमार (50 वर्ष),
पवन पदम चमार (30 वर्ष)
पुष्पा रामपाल चमार (50 वर्ष)
रेखाबेन पवन पदम चमार (26 वर्ष)(सभी निवासी - पिंगोर गांव, तहसील हाडोल, जिला पलवल, हरियाणा)पुलिस ने उनके पास से 20 हजार रुपये कीमत के 3 मोबाइल फोन भी जब्त किए।

गैंग का काम करने का तरीका पूछताछ में सामने आया कि सभी आरोपी एक ही गांव और एक ही समाज से हैं। ये सभी अपने गांव से एक साथ ट्रेन में सफर कर अलग-अलग राज्यों में पहुंचते हैं और रेलवे स्टेशन या आसपास के फुटपाथ पर डेरा डालकर रहते हैं।

दिन में गैंग के पुरुष सदस्य बैंक, फाइनेंस कंपनियों जैसी जगहों पर रेकी करते हैं।

वहां से वे उन लोगों की जानकारी महिलाओं को देते हैं, जो नकद रकम या कीमती सामान लेकर निकलते हैं।

इसके बाद महिलाएं शिकार के साथ रिक्शे में दोनों तरफ बैठती हैं और मौका मिलते ही बैग से नकदी, सोने-चांदी के आभूषण आदि चुरा लेती हैं और फरार हो जाती हैं।

पुलिस ने कहा है कि आरोपियों से आगे की पूछताछ जारी है, ताकि अन्य राज्यों में की गई वारदातों का भी खुलासा हो सके।

हेल्थी लाइफ स्टाइल सेमिनार "हेड टू टो" का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,पारले पोइंट स्थित श्री विद्यासुधा दिगम्बर जैन भवन के हॉल में सांची हेल्थ केयर फाउंडेशन के तरफ से प्रयूषण पर्व के अवसर पर हेल्थी लाइफ स्टाइल सेमिनार "हेड टू टो" का आयोजन शुक्रवार को किया गया। सेमिनार में लाइफ स्टाइल एक्सपर्ट डॉक्टर मुकेश पाराशर ने अपने अनूठे अंदाज में कविताओं और गानों के साथ स्वस्थ दिनचर्या के टिप्स बतायें। उन्होंने सेमिनार में प्रतिदिन के खान-पान आदि पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम में फाउंडेशन की प्रमुख पूनम पाराशर के द्वारा कैंसर जागरूकता के लिए पुस्तक "स्पार्क ऑफ लाइफ" का निशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन रमेश गंगवाल ने किया।

नेशनल लेवल धावक को कचरा गाड़ी ने टक्कर मारते ही मौत

सूरत में 19 वर्षीय विधि कदम की मॉपेड पर जिम जाते समय मनपा की गाड़ी से दुर्घटना, ड्राइवर के पास केवल लर्निंग लाइसेंस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में 30 अगस्त नेशनल लेवल धाविका को एसएमसी (सूरत महानगर पालिका) की कचरा गाड़ी ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पनास क्षेत्र में मनपा के कचरा टेम्पो चालक ने 19 वर्षीय नेशनल लेवल धावक विधि कदम को टक्कर मार दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वह मॉपेड पर जिम जा रही थी तभी यह हादसा हुआ। पूरे मामले में खटोदरा पुलिस ने कचरा गाड़ी के ड्राइवर 22 वर्षीय गिरीश अड्डा को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि दुर्घटना करने वाले ड्राइवर के पास पक्का ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था, वह सिर्फ लर्निंग लाइसेंस पर ही मनपा का टेम्पो चला रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से महाराष्ट्र की रहने वाली विधि संतोषभाई कदम अपने परिवार के साथ सूरत के पनास गांव में रहती थी। परिवार में माता-पिता और एक भाई है। पिता सिलाई का काम करते हैं, जबकि बड़ा भाई फूड कोर्ट चला कर परिवार को आर्थिक मदद करता है। विधि फिलहाल बी.कॉम के दूसरे वर्ष में पढ़ रही थी और नेशनल लेवल तक की दौड़ प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी थी। उसने शॉर्ट रनिंग में कई पुरस्कार जीते थे। वह पढ़ाई के साथ-साथ भटार स्थित जिम में ट्रेनर के रूप में काम भी करती थी और वहीं अभ्यास भी करती थी।

सुबह विधि घर से ओला बाइक लेकर भटार में जिम जा रही थी। घर के पास ही पनास कैनाल रोड पर सर्विस रोड पर सामने से तेज रफ्तार में आती सूरत महानगर पालिका की गाड़ी ने उसे टक्कर मार दी। विधि सड़क पर गिर गई और सिर में गंभीर चोट लगने से तुरंत पास की एक निजी अस्पताल ले जाया गया।

निजी अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने विधि को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद विधि का शव पोस्टमॉर्टम के लिए सूरत सिविल अस्पताल भेजा गया। वहीं दुर्घटना करने वाले मनपा की कचरा गाड़ी के चालक गिरीश अड्डा को खटोदरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

इंटर स्कूल डांस प्रतियोगिता में मिला द्वितीय स्थान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, महाराजा अग्रसेन इंटरनेशन के विद्यार्थियों ने शनिवार को फ़ाउंटेनहेड स्कूल में आयोजित इंटर स्कूल डांस प्रतियोगिता "कलाकृति-2025" में ग्रुप डांस श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। आयोजन में सूरत की अनेकों स्कूल के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस उपलब्धि पर स्कूल के पदाधिकारी एवं प्राचार्या ने सभी विजेताओं को बधाई दी।